वर्ष 23, अंक 355, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार 15 जनवरी 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

हमारे दिल में जो स्थान दिल्ली का है, वही कश्मीर का है- राजनाथ

अखनूर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों के साथ वेटरन्स डे मनाने के लिए जम्मू-कश्मीर के अखनूर पहुंचे। इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में दिलों के बीच बची-खुची दूरियां भी खत्म होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को इस दिशा में उठाए जा रहे कदमों के लिए बधाई देना चाहता हूं। सत्ता में आने के बाद हमने अपने प्रयासों को जमीनी स्तर पर ला दिया है। कश्मीर हमें प्रिय है और इस पर ज्यादा स्पष्टीकरण की जरूरत नहीं है।

राजनाथ ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जो भी अंतर है उसे पाटना है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखनूर में वेटेरन्स डे समारोह मनाया जाना इस बात को साबित करता है कि हमारे दिल में जो स्थान दिल्ली का है, वही स्थान अखनूर, कश्मीर का है। 9वें सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस को संबोधित करते हुए सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आप वो लोग हैं जिन्होंने देश की खातिर अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। जिन्होंने अपने भविष्य या जान की चिंता नहीं की और देश की रक्षा के लिए बलिदान देने को तैयार रहे और किया।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अब आपकी सेवा करना हमारा कर्तव्य है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम यह सुनिश्चित करके भुगतान करें कि आप आराम से रहें। हम

पूरी कोशिश करेंगे कि भर्ती में आरक्षण का पूरा उपयोग हो, आपको योजनाओं के तहत आवश्यक सभी वित्तीय सहायता बिना किसी रुकावट के मिले। मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि एक सेवानिवृत्त सैनिक के बेटे, सतीश शर्मा मेरे मंत्रिमंडल में मेरी मदद कर रहे हैं और हम दोनों आपकी सेवा करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

9वें सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए, थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि आज एक विशेष दिन है क्योंकि हमें उन सभी वीर योद्धाओं को सम्मानित करने का अवसर मिला है जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय इस देश की सेवा में समर्पित किया है। आप सभी हमारे समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। हमारा देश आज विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक की प्रतिबद्धता आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों के समक्ष सेना की मान्यता सक्रिय रूप से स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रयास के कई पहलू हैं जिन्हें समानांतर रूप से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा पाकिस्तान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक की भारत पर की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा और कहा कि पीओके के बिना जम्मू कश्मीर अधूरा है। पाकिस्तान जम्मू कश्मीर को अस्थिर करने के लिए हर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 में अखनूर में युद्ध हुआ था। भारत पाकिस्तानी सेना की कोशिशों को नाकाम करने में कामयाब रहा था। इतिहास में हुए सभी युद्धों में भारत ने हमेशा पाकिस्तान को हराया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान 1965 से अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। हमारे मुस्लिम भाइयों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है। आज भी भारत में प्रवेश करने वाले 80% से अधिक आतंकवादी पाकिस्तान से होते हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद 1965 में ही समाप्त हो गया होता, लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार युद्ध में प्राप्त सामरिक लाभ को रणनीतिक लाभ में बदलने में असमर्थ रही।

11 साल बाद जेल से बाहर आएगा आसाराम, यौन उत्पीड़न मामले में मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत

राजस्थान

राजस्थान उच्च न्यायालय ने मंगलवार को स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को अंतरिम जमानत दे दी। आसाराम वर्तमान में जोधपुर में अपने आश्रम में 2013 में एक नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। अंतरिम राहत 31 मार्च 2025 तक दी गई है। यह निर्णय भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आसाराम को उनके गंभीर स्वास्थ्य मुद्दों और चिकित्सा उपचार की आवश्यकता का हवाला देते हुए एक अन्य बलात्कार मामले में जमानत प्रदान करने के ठीक एक सप्ताह बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा आधार पर उनकी जमानत बढ़ा दी थी, जिसके बाद आसाराम की कानूनी टीम ने राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष उनकी सजा के निलंबन के लिए एक समान आवेदन दायर किया था।

न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने याचिका पर सुनवाई की और अंतरिम जमानत दे दी, यह देखते हुए कि उच्च न्यायालय के समक्ष किया गया अनुरोध उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर अनुरोध को प्रतिबिंबित करता है। आसाराम के वकील निशांत बोरा ने बताया कि जमानत के लिए प्रस्तुत किए गए आधार दोनों मामलों में एक जैसे रहे।

भाजपा पैसे से दिल्लीवालों के वोट खरीदना चाहती है : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को एक बार फिर भाजपा पर जमकर हमला बोला और कहा कि गाली-गलौज पार्टी में हथियार डाल दिए हैं। वह पूरी तरह से जानते हैं कि वह चुनाव जीत नहीं सकते, इसलिए अब वह दिल्ली वालों के वोट पैसे से खरीदना चाहते हैं। मैं दिल्ली वालों से अपील करता हूं कि इनसे सारे पैसे ले लो, इनको बर्बाद कर दो। लेकिन, वोट मत देना।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि धीरे-धीरे जैसे-जैसे समय बीत रहा है, आम आदमी पार्टी का ग्राफ भी ऊपर बढ़ता जा रहा है। हम ऊपर की ओर जा रहे हैं। गाली-गलौज पार्टी ने ऐसा लगता है हथियार डाल दिए हैं। उनके पास न नैरेटिव है, न उनके पास विजन है, न उनके पास सीएम का चेहरा है। खुलेआम पैसे बांटे जा रहे हैं, लेकिन जो पैसे बांटे गए, उन लोगों में बहुत असंतोष है। ऊपर से उनकी पार्टी ने भेजे 10,000 रुपए। लेकिन, उनके नेताओं को लग रहा है कि वह जीत तो रहे नहीं हैं तो इस चुनाव में पैसे ही कमा लिए जाएं, तो उनके नेताओं ने 9,000 रख लिए और जनता को हजार-हजार रुपए बांट दिए और वह भी इन्होंने सबको नहीं दिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे-जैसे जनता को यह पता चलता है कि उनके नेता रुपए खा गए तो इस बात का जनता में भारी रोष

है कि उनके नेता जनता के नाम पर आए हुए पैसे खा गए। उसके बाद उनकी पार्टी ने कंबल बांटने को भेजे। एक कॉलोनी में कंबल बांटे। बगल वाली कॉलोनी में नहीं बांटे तो बगल वाली कॉलोनी वाले पूछ रहे हैं इस कॉलोनी के कंबल कहां गए। इसी तरीके से यह भाजपा वाले साड़ियां, जूते, जैकेट यह सब कुछ बांट रहे हैं। लेकिन, उनके नेता कुछ कॉलोनी में जाते हैं, वहां पर सामान बांटकर वापस चले आते हैं। बगल वाली कॉलोनी के लोग पूछते हैं कि हमारा सामान कहां गया और उनके दफ्तरों पर जाकर हल्ला मचाते हैं।

उन्होंने कहा कि अब सोने की चेन बांटना चालू कर दिया गया है। एक-दो कॉलोनी में उन्होंने सोने की चेन बांटनी शुरू की तो बात तेजी से फैल गई। अब आसपास के इलाके के लोग कह रहे हैं कि उनके नेता सोने की चेन भी खा गए। जिसको यह सामान नहीं मिलता है और वह उनके दफ्तर चला जाता है। उसके मुंह को बंद करने के लिए यह सामान दे दिए जाते हैं। उनके नेता खुलेआम कहते घूम रहे हैं कि दिल्ली वालों को तो हम खरीद लेंगे। दिल्ली वालों के वोट तो हम खरीद लेंगे। अब जब देख रहे हैं कि हार गए हैं तब खुलेआम कहते घूम रहे हैं कि दिल्ली वालों को तो हम खरीद लेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली की जनता से अपील करना चाहता हूं कि वोट हीरे से ज्यादा कीमती है। वह किसी हालत में मत बिकने देना। जो पैसे बांटे, जो कंबल बांटे, जो साड़ी बांटे, जो चादर बांटे, उसको तो कतई वोट मत देना। यह देश के गद्दार हैं। इनको इतना अहंकार हो गया है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि अगर आम आदमी पार्टी का कोई कैंडिडेट पैसे, सामान बांटे, तो उसको वोट मत देना।

6 जवान जख्मी, अस्पताल में भर्ती

नौशेरा में एलओसी के पास बारूदी सुरंग में विस्फोट

नौशेरा

राजौरी जिले के नौशेरा में भवानी सेक्टर के मकरी इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक आकस्मिक विस्फोट में भारतीय सेना के छह जवान घायल हो गए। यह घटना तब घटी जब एक नियमित गश्ती दल क्षेत्र से गुजरते समय अनजाने में एक बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया। सैन्य सूत्रों के अनुसार, सैनिक एक संवेदनशील क्षेत्र में अपनी सामान्य गश्त कर रहे थे, तभी उनमें से एक ने गलती से एक खदान पर कदम रख दिया, जिससे विस्फोट हो गया। विस्फोट

के परिणामस्वरूप सभी छह सैनिक मामूली रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।

सौभाग्य से, सैनिकों को लगी चोटें जीवन के लिए खतरा नहीं हैं, और उन सभी की हालत स्थिर बताई गई है। सैनिकों को आगे के इलाज के लिए तुरंत नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया। जिस इलाके में यह घटना हुई वह एलओसी के नजदीक होने के कारण उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र माना जाता है, जहां पहले भी कई झड़पें हो चुकी हैं।

जबकि सीमा सुरक्षा उपायों के हिस्से के रूप में ऐसे क्षेत्रों में आमतौर पर बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना उन जोखिमों को उजागर करती है जिनका सैनिकों को ऐसे अस्थिर क्षेत्रों में नियमित गश्त के दौरान सामना करना पड़ता है।

बसपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए घोषित किए स्टार प्रचारक

लखनऊ। बहुजन समाज (पार्टी) बसपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। बसपा के 40 स्टार प्रचारकों में मायावती के बाद दूसरे नंबर पर युवा चेहरे नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को जगह दी गई है। बसपा की तरफ से मंगलवार को दिल्ली विधानसभा 2025 के स्टार प्रचारकों की सूची के अनुसार पार्टी प्रमुख मायावती, आकाश आनंद, लक्ष्मण सिंह, नितिन सिंह, राजाराम धर्मवीर सिंह, अशोक, सी.पी. सिंह, रणधीर बेनिवाल, सुदेश आर्य, सुजीत सम्राट, राजेश तंवर, सतीश चौधरी, शीशपाल सिंह, ललित कुमार गौतम, उत्तिलराम आजाद, नरेन्द्र पाल सिंह, सुरेश चंद गौतम, सुरेश चंद्रा, योगेश कुमार, डा. सलीम अहमद, राजकुमार, जगदीश मास्टर, उमेश पीपरिया, एड रजनी बौद्ध, शंकर लाल कर्दम, भूपेन्द्र सिंह बेधड़क, दिनेश कुमार गौतम, कैलाश माथुर, दर्शन लाल, पन्ना लाल गौतम, डा. रंजीत राम, प्रेम कुमार गौतम।

महाकुंभ में 2.50 करोड़ लोगों ने किया अमृत स्नान, नागा साधु बने आकर्षण का केंद्र

प्रयागराज

पौष पूर्णिमा स्नान पर्व के सफल समापन के बाद प्रयागराज महाकुंभ का सोमवार से आगाज हो गया. इसके बाद मंगलवार को शाही स्नान पर भी शुरू हो चुका हैं, जिसे इस साल सरकार ने अमृत स्नान का नाम दिया है. इस अमृत स्नान के लिए अखाड़ो ने जुलूस शुरू कर दिया है. अमृत स्नान को लेकर सनातन धर्म के 13 अखाड़ों के साधु पहले पवित्र डुबकी लगाएंगे.

श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के सचिव महंत आचार्य देवेंद्र सिंह शास्त्री ने पुष्टि की है कि सभी अखाड़ों के तारीखों, क्रम और समय के बारे में सूचित कर दिया गया है. प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि यह पवित्र परंपरा सुचारू रूप से और पूरी श्रद्धा के साथ संपन्न हो. परंपरा के अनुसार, महाकुंभ 2025 का अमृत स्नान 14 जनवरी को मकर संक्रांति से शुरू हो गया. सबसे पहले श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी और श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा अमृत स्नान के लिए निकले।

- **श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद पवित्र जल का संग्रह भी किया. साथ ही ये जल इतना पवित्र है कि लोग इसका आचमन भी कर रहे हैं.**
- **संगम किनारे धार्मिक गीतों और मंत्रों की गूंज ने वातावरण को पवित्र बनाया, इस दौरान लाखों श्रद्धालुओं ने एक सा मंत्र का उच्चारण किया.**
- **भक्तों का कहना है कि संगम स्नान ने उन्हें आत्मिक शांति और शुद्धता का अनुभव कराया.**
- **महाकुंभ में साधु-संतों की प्रवचन सभाओं ने भक्तों को मार्गदर्शन दिया है.**
- **गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन का अनुभव भक्तों को आनंदित कर रहा है.**
- **महिला श्रद्धालुओं ने भी बड़ी संख्या में संगम स्नान किया. मकर संक्रांति पर संगम का दृश्य अद्वितीय धार्मिक ऊर्जा से भरा रहा.**
- **अलग- अलग देशों से श्रद्धालु भारतीय परंपराओं के महत्व को समझने के लिए भारत आ रहे है.**
- **डमरू और त्रिशूल के साथ नागा साधुओं का उत्सवमय प्रदर्शन देखते ही बन रहा था.**
- **इस दौरान संगम के किनारे भक्तों ने धर्म और आस्था का प्रतीक दीपदान किया.**
- **शोभायात्रा में घोड़े पर सवार नागा साधु आकर्षण का केंद्र बने.**

झूंसी रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन की योजना रही कारगर

प्लेटफार्म फुल होते ही भीड़ को यात्री आश्रय स्थलों पर रोका गया

रेलवे प्लेटफार्म पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

अखंड भारत संदेश

झूसी। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति पर महाकुम्भ में पुण्य की डुबकी लगाने पूर्वांचल से मानों भीड़ का रेला उमड़ पड़ा हो। स्टेशन पर यात्रियों की भारी संख्या देखते पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से भीड़ को नियंत्रित किया। जिससे स्टेशन पर किसी तरह की अफरातफरी नही हुई।

मंगलवार अल सुबह से ही पूर्वांचल की ओर से आने वाली सभी गाड़ियां खचाखच भरी हुई थी। इधर पौष पूर्णिमा से मेला में ठिके यात्री मंकर संक्रांति का स्नान कर स्टेशन पर पहुंचने लगे। कुछ ही पलों में स्टेशन के सभी प्लेटफार्म खचाखच तीर्थयात्रियों से भर गए। भीड़ को देखते हुए प्लेटफार्म पर अफरातफरी से बचने के लिए पुलिस ने घेराबंदी करके अतिरिक्त आने वाले यात्रियों को दोनों तरफ बने यात्री विश्राम आश्रयों की ओर मोड़ दिया और घेराबंदी करके प्लेटफार्म पर पहुंचने वाले सभी रास्ते बंद कर दिए गए। स्टेशन से बाहर निकलने वाले यात्रियों के रास्ते अलग कर दिए गए। जाने वाली एक ट्रेन के गुजरने पर ही दूसरी ट्रेन के यात्रियों को धीरे-धीरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए छोड़ा जा रहा था। हालांकि यात्री आश्रय स्थलों पर रोकी गई भीड़ पुलिस से नोंक-झोंक भी करती रही।

मौसम के मिजाज पर भारी पड़ा आस्था का जोश, यात्री हुए महाकुंभ की छटा से अविभूत

अखंड भारत संदेश

सहसों। प्रयागराज के संगम की रेती पर महाकुंभ का पर्व 12 महाकुंभ के बाद जनवरी 2025 में दिव्य एवं भव्य महाकुंभ का संयोग प्राप्त हुआ है। जिससे अन्य जनपदों एवं देश-विदेश से सनातनी तीर्थ यात्री मां गंगा एवं त्रिवेणी संगम में स्नान एवं दर्शन पूजन के लिए मौसम के मिजाज को दरकिनार करते हुए अपनी आस्था के प्रति संकल्प के साथ जन सैलाब उमड़ पड़ा। इस महाकुंभ में 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा एवं 14 जनवरी को मकर संक्रांति की वजह से सनातनी तीर्थ यात्रियों का आवागमन 12 जनवरी को सायंकाल से ही शुरू हो गया। श्रद्धालु तीर्थयात्री मां गंगा एवं संगम तट पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाए तथा धूप दीप एवं पूजन अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात अपने-अपने गंतव्य को लौटने लगे। आलम यह रहा कि प्रयागराज गोरखपुर राजमार्ग पर छोटे बड़े यात्री वाहनों का मंगलवार को देर शाम तक तांता लगा रहा। महाकुंभ को लेकर प्रशासन भी पूरे जोर जिम्मेदारी के साथ यात्री सुविधाओं के लिए मुस्तैद रही। यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में सहसों गोल चौराहे पर अर्धसैनिक व सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल के जवान, सहसों चौकी पुलिस एवं यातायात पुलिस चाक चौबंद तरीके से लगी रही। वहीं श्रद्धालु तीर्थ यात्रियों को कोई असुविधा न हो जगह-जगह स्थानीय लोग भी उनकी मदद में मुस्तैद रहे। दिव्या एवं भव्य महाकुंभ की छटा से अविभूत तीर्थयात्री पाठक दास जी तिरुपति बालाजी धाम, बृजमोहन उत्तराखंड एवं मधु देवी दिल्ली से आकर गंगा स्नान के बाद सहसों में रुक कर चाय की चुस्की लेते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्था हम लोगों ने कभी नहीं देखी तीर्थ यात्रियों ने ऐसा इंतजाम एवं सरकार की प्रशंसा करते हुए अपने-अपने गंतव्य को रवाना हो गए।

न्यूज झरोखा

प्रयाग गौ सेवा संगठन ट्रस्ट एवं गोपाल सेवा फाउण्डेशन ठाणे महाराष्ट्र द्वारा कुशगढ़ शिव मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन

करछना। कोशगढ़ के प्रसिद्ध शिव मंदिर में प्रयाग गौ सेवा संगठन ट्रस्ट एवं गोपाल सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के मुख्य व्यवस्थापक श्री शिव गोपाल केशरवानी रहे, जबकि आयोजन की व्यवस्था में राष्ट्रीय सचिव शिवम् केशरवानी, ब्लॉक महामंत्री दीपांशु पांडे, करछना ब्लॉक अध्यक्ष अनुराग द्विवेदी, उपाध्यक्ष आदर्श द्विवेदी, महामंत्री विकास मिश्रा, ब्लॉक मंत्री रोहित पाल और करछना मीडिया प्रभारी शिवम् मिश्रा का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर मुख्य गौ सेवक विनायक पंडित, सचिन पांडे, नितिन पांडे, गौ सेवक आयुष द्विवेदी, निखिल द्विवेदी, सोहित द्विवेदी, मनोज रिशु केसरवानी, आकर्षण मिश्रा, देवांशु शुक्ला, श्याम सुंदर, मनीष गौड़ सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भंडारे में श्रद्धालुओं को सुस्वादु प्रसाद वितरित किया गया और गौ सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

पत्रकार की दो वर्षीय बेटी अर्पिता का जन्मदिन मनाया गया

मांडा। हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार प्रदीप कुमार की दो वर्षीय बेटी अर्पिता सिंह का केक काट कर जन्मदिन बड़े धूम धाम से मनाया गया ' जन्मदिन समारोह में कन्हैया लाल, श्याम बाबू सोनकर,मनीष कुमार सोनकर, लछिमन सोनकर, प्रदीप कुमार सोनकर, रितेश कुमार,प्रवीण कुमार,चन्द्र भान, मंजू देवी, ऊषा देवी आदि मौजूद रहे और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए दीघार्यु होने का आशीर्वाद दिए।

फोरलेन का कचड़ा दुकानों के सामने कर देने से दुकानदारों में रोष

मऊआइमा। फोरलेन की सफाई करने के बाद उसका कचड़ा दुकानों के सामने एकत्रित कर देने से दुकानदारों में आक्रोश व्याप्त है। मऊआइमा के ब्लाक बाजार के समीप फोरलेन की सफाई करने के बाद उसका कचडा न फेंक कर दुकानों के सामने लगा देने से दुकानदारों में आक्रोश व्याप्त है। आरोप है कि महमपुर सराय अली, जोगापुर आदि स्थानों पर झाड़ फोरलेन के निकट नालों के उपर तक ढक लेने से उसके उपर गंदगियों का अम्बार लगा हुआ है इसी प्रकार सड़कों की सफाई के नाम पर कूडों को सड़कों के किनारे कर देने से गंदगियों का अम्बार लगा हुआ है। सरकार की स्वच्छ भारत अभियान का योजना धराशाई बन गया है।

मकर संक्रांति पर नव युवक मण्डल दल ने बांटा खिचड़ी प्रसाद

मकर संक्रांति पर खिचड़ी प्रसाद वितरित करते हुए

बारा। गोबरा तरहार गांव के सिद्ध पीठ सन्यासी बाबा स्थान पर मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर विशेष खिचड़ी प्रसाद वितरण गोबरा तरहार गांव के नव युवक मण्डल दल के युवाओं ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजन किया। स्थानीय लोगों ने खिचड़ी भोज का आयोजन कर त्योहार को धूमधाम से मनाया। कड़ाके की सर्दी के बावजूद लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

आयोजकों ने राहगीरों के लिए विशेष व्यवस्था की। जहां उन्हें वाहन से जा रहे महाकुंभ स्नान करने उनको रोक रोककर गरमागरम खिचड़ी परोसी गई। इस मौके पर किशन कुमार पाण्डेय, राहुल शुक्ला, अँकुल उपाध्याय, अनुराग शुक्ला, चेतन पाण्डेय, कियान पाण्डेय, हर्ष पाण्डेय आदि लोग मौजूद रहे।

अपहरण की गयी युवती को बरामदगी की मांग

मऊआइमा। नौ जनवरी से अपहृत युवती की बरामदगी तथा आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की गयी है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बांका जलालपुर निवासनीय एक युवती का नौ जनवरी को पडोसी युवक अपहरण कर ले गया। युवती की माता ने आरोपी युवक मोहम्मद कैफ के खिलाफ मऊआइमा थाने में ग्यारह जनवरी को अपहरण का मुकदमा दर्ज करा दिया है। पांच दिन गुजर जाने के बावजूद आज तक पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी तथा युवती की बरामदगी नहीं कर सकती है। युवती की बरामदगी की मांग को लेकर युवती के परिजनों ने अधिकारियों के यहां फरियाद लगाई है।

मकर संक्रांति पर्व पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

बामपुर घाट पर मकर संक्रांति खिचड़ी के पर्व पर भव्य मेले का आयोजन

मकर संक्रांति पर्व पर गंगा स्नान करते लोग

अखण्ड भारत सन्देश

मांडा। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी मकरसंक्रांति पर्व पर मंगलवार को स्थानीय गंगा घाटों पर स्नान दान के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। बामपुर गंगातट पर लगने वाले पारंपरिक खिचड़ी मेले में भी अच्छी खासी भीड़ रही। स्थानीय गंगा घाटों महेवा कला, डेंगुरपुर, बामपुर, नरवर चौकठा आदि गंगा घाटों पर प्रातः से दोपहर बाद तक स्नान दान व पुण्य लाभ करने वालों का तांता लगा रहा बामपुर गंगातट पर स्थित राम जानकी मंदिर पर लगने वाले पारंपरिक मेले में भारी भीड़ रही। मांडा रोड व दिघिया रेलवे क्रासिंग पर गंगास्नान के लिए जाने वालों के कारण दिन भर जाम लगता रहा। गंगा घाटों और मेले में मांडा पुलिस गश्त करते रहे। वही ठंडक से लोग कांपते हुए स्नान कर घर लिए लौटते रहे।

इलाज के दौरान महिला की मौत अस्पताल संचालक शव पड़ोसी के दरवाजे फेंक कर फरार

- देर शाम पहुंचीं पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा पीड़ित ने दी तहरीर

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बराव गांव कस्बा बोध का पुरा निवासी बालकृष्ण गोस्वामी की पत्नी का गलत इलाज के दौरान मौत हो गई अस्पताल संचालक ने शव उसके गांव के पड़ोसी के दरवाजे छोड़कर फरार हो गया जिसकी जानकारी पुलिस को हुई तो पुलिस मौके पर जाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए देर रात भिजवा दिया पीड़ित की तहरीर पर पुलिस कार्रवाई अस्पताल संचालक राम सिंह पटेल के खिलाफ करने की बात कही जानकारी के मुताबिक बोध का पुरा निवासी बालकृष्ण गोस्वामी की पत्नी का डिलीवरी का ऑपरेशन 15 दिन पूर्व कौवा मार्केट में आदर्श क्लिनिक पर किया गया था जिसके दौरान मृत बच्चा पैदा हुआ था उस दौरान अस्पताल संचालक ने पैंतालीस हजार रुपए लिए थे,15 दिन बीत जाने के बाद सोमवार को पीड़ित ने अपनी पत्नी को कुछ तकलीफ थी जिसको दिखाने के लिए पति-पत्नी दोनों पैदल पास के आदर्श क्लिनिक पहुंचे जहां पर डॉक्टर ने उसे पांच इंजेक्शन एक साथ लगा दिया उसके 10 मिनट बाद उसकी मौत हो गई उसके बाद डॉक्टर ने परिजनों को गुमराह करते हुए शहर की अस्पताल ले गए जहां पर डॉक्टर ने मृत्यु घोषित कर दिया इस लापरवाही की घटना से पीड़ित बालकृष्ण गोस्वामी काफी आहत हैं संचालक अस्पताल का उसकी पत्नी का शव पास के वीरेंद्र गुप्ता के घर के सामने बॉडी शाम को 6:00 बजे छोड़कर फरार हो गया महिला की दो बेटियां हैं 7 वर्ष शिवानी और 5 वर्ष की देवासी बालकृष्ण गोस्वामी लेबर मजदूरी का काम करता है पुलिस को दी गई तहरीर में अस्पताल के खिलाफ क्लीनिक के संचालक की लापरवाही के चलते महिला की मौत पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

मऊआइमा नगर पंचायत कार्यालय द्वारा श्रद्धालुओं के लिए बनाया गया अस्थाई रैन बसेरा

मऊआइमा। मऊआइमा के नगर पंचायत कार्यालय द्वारा फोरलेन के निकट ग्राम महमदपुर सराय अली में महा कुंभ के ठ अस्थाई रैन बसेरा का निर्माण किया गया है। जिसमें पांच महिलाओं पांच पुरूषों के रूकने की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष शोएब अंसारी, ईवो मीनाक्षी चतुवेर्दी तथा वरिष्ठ लिपिक हीरा लाल, आशीष कपूर, आजम खान, भारत लाल, जैद, कुल्लू आदि ने स्वागत शिविर के पीछे अस्थाई रैन बसेरा की स्थापना इस मकसद से की गयी है कि उक्त मार्ग प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अयोध्या आदि स्थानों से आने और जाने वाले स्नानार्थियों को रूकने की सुविधा हो।महा कुंभ को मद्देनजर उक्त स्वागत अस्थाई रैन बसेरा महा कुंभ के श्रद्वालुओं के ठहरने के लिए बनाया गया है।

नैनी में उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा है गैस सिलेंडर, उपभोक्ताओं में आक्रोश

- सब्जी मंडी स्थित प्रिय दर्शनी भारत गैस एजेंसी का मालिक ब्लैक में बिकवा रहा है गैस सिलेंडर
- कामर्शियल गैस सिलेंडर की जगह दुकानदारों को ब्लैक में दिया जा रहा है घरेलू सिलेंडर

राकेश गुप्ता बच्चा

नैनी। नैनी क्षेत्र में सोमवार दोपहर को एक नया कारनामा तब देखने को मिला जब कुछ ग्राहकों ने गैस प्राप्त करने के लिए लाइन लगाया और घंटों बाद पता चला कि गैस सिलेंडर अभी खत्म है। वहीं जब लोगों ने नैनी स्टेशन रोड पर छोटा हाथी में लदा गैस सिलेंडर भरा हुआ देखा तो लोग भौचक रह गए और गैस एजेंसी के कर्मचारी दुकानदारों को कामर्शियल गैस सिलेंडर की जगह घरेलू सिलेंडर ब्लैक में देते हुए देखे गए। जिसके बाद उपभोक्ता लोग पुनः एजेंसी पहुंचे और गैस एजेंसी के मालिक से बात करने की कोशिश की तो पहले तो आग बबूला हो उठा उसके बाद जब यह बात मीडिया में आई तो मीडिया के एक कर्मचारी ने मालिक से बात किया जिसपर मालिक ने तत्काल में आश्वाशन दिया कि आप अपना नाम पता लिखवा दें गैस सिलेंडर आपके घर तक पहुंच जाएगा। जिसपर मीडियाकर्मी ने कहा यह सुविधा हमको नहीं चाहिए आप सिर्फ यह बताएं कि ग्राहकों को यह असुविधा क्यों हो रही है। जब आपके पास पर्याप्त गैस सिलेंडर है तो उपभोक्ताओं को देने के बजाय घरेलू सिलेंडर नैनी स्टेशन रोड मेवा लाल की बगिया मामा भांजे तलाव सरगम चौराहा कॉटन मिल चौराहा के दुकानों पर घरेलू सिलेंडर ब्लैक में क्यों सप्लाई किया जा रहा है। जबकि दुकानों पर कामर्शियल सिलेंडर देने का नियम है। जिसपर तिलमिलाए मालिक ने चुप्पी साधते हुए अपने कार्यालय में चला गया। वहीं इस तरह की हरकत से उपभोक्ताओं में काफी नाराजगी देखने को मिली। वही विकास केसरवानी, राज, उपभोक्ता बताते हैं कि दो दिन से आ रहे हैं गैस नहीं मिल रही है। इस बात की शिकायत उच्चाधिकारियों से करने की बात कही। वहीं स्थानीय लोगों ने ऐसे गैस एजेंसी मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की गुजारिश अधिकारियों से की है।

मौसम विभाग ने 150वीं वर्षगांठ पर जारी किया चांदी का सिक्का

अमित पाण्डेय

मौसम वैज्ञानिक आकाश मिश्र

महाकुम्भ नगर। देशवासियों को मौसम की हर खबर से रू-ब-रू करवाने वाला मौसम विभाग के 150 साल पूरा होने जा रहा है। इस अवसर पर मौसम विभाग 150 रुपए मूल्य का चांदी का सिक्का जारी कर रहा है। सिक्का ढालने को लेकर 31 दिसंबर 2024 को राजपत्र में प्रकाशन किया गया है। सिक्का जारी करने का उद्देश्य मौसम विभाग के देश के प्रति योगदान को बताना है।

इस दिवस को यादगार बनाने के लिए 150 वीं वर्षगांठ पर सिक्के जारी किया जा रहा है।मौसम केंद्र घूरपुर प्रयागराज के मौसम वैज्ञानिक आकाश मिश्र ने बताया कि 150 रुपए का सिक्का 99.9 प्रतिशत शुद्ध चांदी का होगा। इसका वजन 40 ग्राम और डायमीटर 44 मिमी होगा। सिक्के के सामने वाले भाग पर अशोक स्तंभ का सिंह होगा। इसके नीचे सत्यमेव जयते लिखा होगा। बायीं ओर परिधि में देवनागरी लिपि में भारत शब्द और दाईं परिधि में अंग्रेजी में इंडिया लिखा होगा। सिंह स्तंभ शीर्ष के नीचे रुपए का प्रतीत चिह्नित होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य 150 लिखा होगा। सिक्के के

पिछले हिस्से में बीच में भारत मौसम विज्ञान विभाग के 150 वर्ष का प्रतीक चिह्न होगा। प्रतीक चिह्न के नीचे वर्ष 1875-2025 लिखा होगा।

गौरतलब है कि मौसम विज्ञान विभाग की स्थापना 1875 में हुई थी और ये साल 2024-2025 में 15 जनवरी को राष्ट्र की सेवा के 150 वर्ष पूरे कर लेगा। मौसम वैज्ञानिक आकाश मिश्र ने बताया कि इसे मील के पत्थर को मनाने के लिए आइएमडी ने जनवरी 2024 से एक साल तक चलने वाले उत्सव की योजना भी बनाई है। इस दौरान आइएमडी छात्रों को मौसम विज्ञान और वायुमंडलीय विज्ञान में कॅरियर तलाशने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसके लिए स्थानीय मौसम केंद्र मनकवार घूरपुर में भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि उक्त केंद्र भी कई साल पुराना हो गया है।यहां करीब 1982से पूवार्नुमान उपलब्ध है।

15 बार 150 रुपए का चांदी सिक्के हुए जारी

मिली जानकारी के मुताबिक अब तक 15 बार 150 रुपए का चांदी सिक्का जारी हो चुका है। अंतिम बार 15 नवंबर 2024 को भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर सिक्का जारी हुआ था। पहली बार 2010 में गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती के मौके पर जारी हुआ था। मोतीलाल नेहरू की 150 वीं जयंती पर 2012 में, पं मदन मोहन मालवीय की 150 वीं जयंती पर 2012 में, महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती पर 2019 में और स्वामी विवेकानंद की 150 वीं जयंती पर 2013 में 150 रुपए सिक्का जारी हुआ है।

डिप्टी सीएम से मिले भाजपा नेता दिए भव्य महाकुंभ की बधाई

सहसों। प्रयागराज में सुसज्जित दिव्य एवं भव्य महाकुंभ की अलौकिक छटा एवं विश्व पटल पर सनातन धर्म का आभा बिखेर ने के लिए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से सहसों के भाजपा नेता वीरेंद्र बहादुर सिंह एवं जय प्रकाश द्विवेदी ने मिलकर अलौकिक और अद्वितीय महाकुंभ के साथ मकर संक्रांति की बधाई दी। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने कहा सनातन धर्म,भारतीय संस्कृति के साथ एकता अखंडता के लिए महाकुंभ का हर पर्व दिव्य भव्य के विश्व का सवसे बडा धार्मिक आयोजन है। जिसकी सफलता एवं तीर्थ यात्राओं की सुविधा के लिए सरकार संकल्पित है। देश तथा प्रदेश की सरकार सनातन धर्म के गौरव एवं पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति की पहचान दिलाने के लिए इतने बड़े आयोजन को मूर्त रूप दिया है। मां गंगा की अविरल निर्मल धारा में सभी सनातनी डुबकी लगाकर अमृत स्नान कर अमृत फल की प्राप्ति करें। और इस अविरल मां गंगा का जल आचमन करें। घरों की पवित्रता के लिए गंगाजल को साथ लेकर जाएं।

मकर संक्रांति : महाकुम्भ में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

● करोड़ों श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी ● 13 अखाड़ों के साधु संतों ने बारी-बारी से किया अमृत स्नान

● सिर पर गठरी, बगल में झोला लेकर स्नान करने पहुँचे श्रद्धालु

● पूरी रात श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा

● अमृत स्नान के दौरान हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा

अमित पाण्डेय

महाकुम्भनगर। तीर्थराज प्रयाग में मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर पहुंचे। ब्रह्म मुहूर्त में ही लोगों ने पतित पावनी गंगा और संगम तट पर आस्था की डुबकी लगाकर सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की।

कड़ाके की ठंड और कोहरे के बावजूद प्रयागराज में हर दिशा से जनसैलाब सुबह से ही संगम की ओर जाता दिखाई दिया। आम श्रद्धालु स्नान के साथ ही संगम क्षेत्र में अखाड़ों के साधु संतों के भी दर्शन करते दिखाई पड़े। संगम तट पर अमृत स्नान के बाद युवा और बुजुर्ग साधु संत और नागा सन्यासी शरीर पर भभूत लगाकर घाट से अपने गंतव्यों की ओर रवाना हुए और आशीर्वाद स्वरूप भभूत लोगों पर छिड़ककर आशीर्वाद दिया।

मकर संक्रांति पर मंगलवार को महाकुंभ का पहला अमृत स्नान था। इस मौके पर विभिन्न अखाड़ों के नागा साधुओं ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई। अमृत स्नान जिसे शाही स्नान कहा जाता है,यह महाकुंभ 12 वर्षों के बाद आयोजित होता है। आयोजन के लिए 144 वर्षों के बाद एक बहुत ही दुर्लभ मुहूर्त बना है, जो समुद्र मंथन के दौरान बना था। मंगलवार को सुबह से दोपहर तक 13 अखाड़ों के साधु संतों ने बारी-बारी अमृत स्नान किया।

नागा साधुओं की शोभायात्रा देखने उमड़े श्रद्धालु

पंचायती निवार्णी अखाड़े के नागा साधुओं ने भाला, त्रिशूल और तलवारों के साथ अपने शाही स्वरूप में अमृत स्नान किया। साधु-संत घोड़े और रथों पर सवार होकर शोभायात्रा में शामिल हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो गया। उनके साथ चल रही भजन मंडलियों और श्रद्धालुओं के जयघोष ने माहौल को और दिव्य बना दिया।

सिर पर गठरी, बगल में झोला लेकर संगम पहुँचे श्रद्धालु

संगम क्षेत्र में तड़के से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया। बुजुर्ग, महिलाएं और युवा, सभी अपने सिर पर गठरी लादे आस्था से भरे हुए संगम की ओर बढ़ते दिखे। स्नान के लिए श्रद्धा ऐसी थी कि लोग रात से ही गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगाना शुरू कर चुके थे।

?हर तरफ सुरक्षा के कड़े प्रबंध

महाकुम्भ नगर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए। हर मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की गहन जांच की गई। चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रहा। डीआईजी कुम्भ मेला वैभव कृष्ण, एसएसपी राजेश द्विवेदी सहित पुलिस टीम ने घोड़े के साथ मेला क्षेत्र में पैदल मार्च किया और अमृत स्नान जा रहे अखाड़ा साधुओं का मार्ग प्रशस्त किया।

मकरसंक्रांति पर्व की मान्यता

सूर्य अपनी स्वाभाविक गति से प्रत्येक साल 12 राशियों मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन में 360 अंश की परिक्रमा करते हैं। एक राशि में तीस अंश का भोग करते हुए सूर्य दूसरी राशि में जाते हैं। धनु राशि को छोड़ जब सूर्य मकर राशि में आते हैं तो इसी कारण मकर संक्रांति मनाई जाती है।

घाटों पर गूंजे जय गंगा मैया और जय श्री राम के जयघोष

लगभग बारह किलोमीटर परिधि में फैले स्नान घाटों पर जय गंगा मैया और जय श्री राम के जयघोष सुनाई दिए। साधुओं के अमृत स्नान के साथ ही आम श्रद्धालुओं ने भी अपनी आस्था की डुबकी लगाई। संगम के आसपास गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ चारों ओर से देखी गई। इस दौरान सभी ने हर हर महादेव और जय श्री राम के नारों से संगम क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया।

श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा

महाकुम्भ 2025 के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति पर संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर उत्तर प्रदेश सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर श्रद्धालु अभिभूत हुए।

3 बजे तक 2.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

महाकुंभ के इस पावन अवसर पर रात और दिन का कोई भेद नहीं रह गया है। पूरी रात श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। चहल-पहल से गूंजते संगम तट पर हर व्यक्ति अपने हिस्से की आस्था और दिव्यता को आत्मसात करने में लीन दिखा।महाकुंभ के प्रथम शाही स्नान पर अपराह्न 3 बजे तक 2.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। वहीं मेला प्रशासन ने दावा किया कि देर रात तक यह संख्या अभी और भी बढ़कर तीन करोड़ के पार तक जाएगी।

सीएम योगी ने श्रद्धालुओं को दी बधाई

सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पहले 'अमृत स्नान' में भाग लेने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई दी। एक्स पर एक पोस्ट में, सीएम योगी ने इस पवित्र आयोजन को भारत की सनातन संस्कृति और आस्था का जीवंत प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का जीवंत स्वरूप है।मकर संक्रांति' पर त्रिवेणी संगम में प्रथम अमृत स्नान कर पुण्य अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालुओं को बधाई दी।

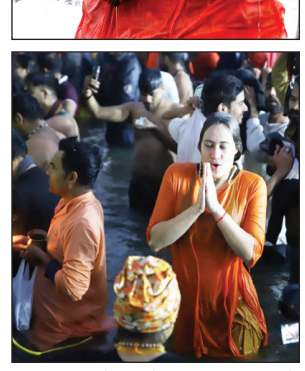

स्नान पर्व और अमृत स्नान के लिए फेवरिट स्पॉट बना संगम नोज

अखंड भारत संदेश

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के पहले अमृत स्नान मकर संक्रांति पर्व पर मंगलवार को करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं की प्राथमिकता संगम नोज रहा, जहां पर अखाड़ों के संतों और गुरुओं ने भी स्नान किया। संगम नोज पर एक तरफ जहां अखाड़ों के संत आरक्षित स्थान पर स्नान कर रहे थे तो वहीं दूसरी तरफ श्रद्धालुओं भी संगम नोज पर स्नान कर पा रहे थे। ये संभव हुआ सिंचाई विभाग की यांत्रिक शाखा यांत्रिक बैराज यांत्रिक खंड अनुरक्षण वाराणसी के भगीरथ प्रयासों से, जिसने मात्र 85 दिनों में तीन शिफ्ट में काम करके शास्त्री ब्रिज से संगम नोज तक 26 हेक्टेयर क्षेत्र का विस्तार किया। इसमें 2 हेक्टेयर क्षेत्र का विस्तार सिर्फ संगम नोज पर किया गया। इसके चलते साधु संत और श्रद्धालुओं का संगम नोज पर एक साथ अमृत स्नान संभव हो सका।

13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के प्रथम स्नान पर्व और 14 जनवरी को पहले अमृत स्नान पर 3 करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। सर्वाधिक लोगों ने संगम नोज पर ही स्नान को प्राथमिकता दी। देर रात से ही संगम नोज पर भीड़ जुटने लगी। अनुमान के मुताबिक यहां हर घंटे तीन लाख से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। बैराज यंत्रिक खंड अनुरक्षण वाराणसी ने 85 दिनों तक अथक प्रयास करके संगम नोज पर 2 हेक्टेयर समेत कुल 26 हेक्टेयर क्षेत्र विस्तार किया है। इससे 1650 मी. क्षेत्र में बालू की बोरी लगाकर अस्थाई घाटों का निर्माण संभव हो सका, जिससे पूरे संगम क्षेत्र में एक साथ अधिक श्रद्धालु स्नान कर पाने में सक्षम हुए। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता (सज्जा एवं सामग्री प्रबंध) उपेन्द्र सिंह ने बताया कि अधिशासी अभियंता बैराज यांत्रिक अनुरक्षण खंड वाराणसी सुजीत कुमार सिंह व टीम सूर्य भूषण, प्रदीप, अनुराग और अन्य द्वारा 4 बड़ी ड्रेजिंग मशीनों की सहायता से 85 दिनों में इस कार्य को संपन्न कराया गया। उन्होंने बताया कि 2019 में संगम नोज की क्षमता 50 हजार श्रद्धालु प्रति घंटा स्नान की थी, जबकि अब यहां 2 लाख से ज्यादा लोग प्रति घंटे स्नान कर सकते हैं। यह पहले की तुलना में तीन गुना है। शास्त्री ब्रिज से संगम नोज तक कुल 26 हेक्टेयर क्षेत्र का विस्तार किया गया है। 85 दिनों तक तीन शिफ्ट में इस काम को अंजाम दिया गया। इस दौरान विशेष रूप से चार अमेरिकन ड्रेजर मशीनों का उपयोग किया गया।

मेला प्रशासन के सारे दावे फेल सुविधाएं सिर्फ कागजों पर

● मेला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर अनिकेत स्माइल फाउंडेशन ने जताई नाराजगी

महाकुम्भनगर। एक ओर अखाड़ों के संत और वीआईपी को बेहतरीन जमीन और सुविधा, बड़े-बड़े मंच और जर्मन हैंगर पंडाल की व्यवस्था तो दूसरी ओर जमीनी स्तर पर रात दिन कार्य कर रहे संस्थानों को मेला प्रशासन द्वारा ठेंगा दिखाने का कार्य किया जा रहा है। संस्थाओं के संस्थापकों का कहना है कि केवल जमीन देकर महाकुम्भ मेला प्रशासन अपना पल्ला क्यों झाड़ रहा है। मेला प्रशासन पर अनिकेत स्माइल फाउंडेशन सहित अन्य संस्थाओं ने नाराजगी जाहिर की है। मंगलवार को महाकुम्भ मेला क्षेत्र स्थित मेला प्राधिकरण कार्यालय के बाहर बैठकर मेला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। अनिकेत स्माइल फाउंडेशन के संस्थापक डॉ अखिलेश द्विवेदी ने कहा कि हमारी संस्था बीते कई वर्षों से कैंसर पीड़ितों का निःशुल्क इलाज के साथ साथ विभिन्न प्रकार की सुविधा मुहैया कराने का काम कर रहा है। मेला प्राधिकरण के अपर मेलाधिकारी दयानन्द प्रसाद द्वारा बीते दिसंबर माह में सेक्टर-6 में भूमि आवंटित कराई गई। इसके बाद दो हफ़्तों से लगातार मेला प्राधिकरण का चक्कर लगाया जा रहा है। परंतु आज तक संस्थान को कागजों के अलावा जमीनी स्तर पर कोई सुविधा नहीं दी गई। इस संदर्भ में जब भी अपर मेलाधिकारी दयानंद प्रसाद से संस्थान के लोगों ने मिलना चाहा तो दयानन्द प्रसाद ने मिलने से साफ इनकार कर दिया ।

ऐसे में संस्थान की प्रशासन के प्रति नाराजगी लाजमी है। अभी तक मेला प्रशासन द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जिले और जिले के बाहर से आ रहे चिकित्सको द्वारा खुले आसमान के नीचे ही मरीजों को देखा जा रहा है, जिससे मेला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगता है।

अलौकिक एवं अकल्पनीय होगा कुंवरपट्टी के सोना भवन में माँ शीतला कृपा महोत्सव का आयोजन

● डीजीएस परिवार बतौर भाई बनकर पूरे विधि विधान से क्षेत्र की 51 गरीब बेटियों की करेगा सामूहिक शादी -

● मेजा क्षेत्र में जनसेवक के रूप में चर्चित भाजपा नेता इंद्रदेव शुक्ल राजू भैया ने कहा क्षेत्र का जन कल्याण ही हमारा मिशन

अखंड भारत संदेश

मेजा। तहसील क्षेत्र के कुँवरपट्टी गांव के सोना भवन स्थित जग कल्याणी माँ शीतला भवानी मन्दिर परिसर में पांच दिवसीय माँ शीतला कृपा महोत्सव का आगाज भव्य कलश पूजन के साथ आगामी 5 फरवरी से आयोजित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि डीजीएस ग्रुप द्वारा आयोजित आस्था के दिव्य आयोजन में 51 गरीब कन्यायों की शादी समारोह आकर्षण का केंद्र होगा। समारोह के आयोजक इन्द्रदेव शुक्ल राजू भैया ने कहा आयोजन मांगलिक व जन कल्याण के लिए है। कुंवरपट्टी के सोनाभवन में माँ शीतला कृपा महोत्सव आयोजन 5 फरवरी से शुरू होगा और 9 फरवरी 2025 को प्रसाद वितरण एवं भंडारे के साथ पूर्ण होगा।महोत्सव के आयोजक डीजीएस ग्रुप के शुक्ला बन्धु सूरजदेव, ब्रह्मदेव, ईस्वरदेव एवं इन्द्रदेव राजू भैया ने बताया कि आयोजन में क्षेत्र की 51 बहनों की 6 फरवरी को होने वाला शादी का मांगलिक कार्यक्रम विशेष होगा।राजू भैया ने बताया कि क्षेत्र की 51 बहनों की शादी उनका यह भाई पूरे धूमधाम व विधि विधान से करेगा।ऊन्होने कहा कि जो गरीब पिता धनाभाव के कारण बेटी की शादी के लिए चिंतित हैं,उनके साथ डीजीएस परिवार खड़ा है।प्रयागराज में चल रहे पूर्ण महाकुम्भ में दान और ध्यान का महात्म्य है।कन्या दान से बढ़कर कोई दान नही हो सकता है।राजू भैया ने कहा 51 बहनों का कन्यादान किसी यज्ञ से कम नही है।जनसेवा और गरीब कल्याण का यह आयोजन मेजा का गौरव बढ़ाएगा और यह एक मिशाल बनेगा।पिछले वर्ष कृपा महोत्सव में कुल 28 बेटियों की शादी पूरे विधि विधान से की गई थी। सरकार के सामूहिक विवाह के सापेक्ष किसी व्यक्ति या संस्था का यह बड़ा आयोजन होगा।

जनसेवक के रूप में चर्चित भाजपा नेता इन्द्रदेव शुक्ल राजू भैया ने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र एवं जन कल्याण के लिए है।राजू भैया वर्षों से निरन्तर सेवा और सहयोग अभियान से जुड़े रहे हैं।सेवा को अपना कर्म और धर्म मानने वाले डीजीएस ग्रुप के राजू भैया ने कहा यह मेरे पूर्वजों के संस्कार की देन है जिन्होंने सनातन परम्पराओं को सम्मान दिया और बच्चों को जन कल्याण के रास्ते पर चलने की सीख दी है। जगत जननी मॉ शीतला की कृपा, जननी मॉ सोना देवी का आशीर्वाद और पिता स्व दूधनाथ शुक्ल के संस्कार आयोजन को अलौकिक बनाएंगे।श्री शुक्ल ने लोगों से इस मांगलिक आयोजन से जुड़ने का आग्रह किया है।

माँ शीतला कृपा महोत्सव कार्यक्रम का विवरण

5 फरवरी- जलयात्रा पंचांग पूजन।
6 फरवरी- वेदी पूजन,मानस परायण आरम्भ, शाम 4 बजे 51 कन्यायों का सामूहिक विवाह।
7 फरवरी- मानस परायण विराम,देवी जी का महाभिषेक,छप्पन भोग व औपचारिक हवन।
8 फरवरी- शिव शक्ति समर्चा एवं लखराव सवा लाख पार्थिव लिंग पूजा व अभिषेक।
9 फरवरी-पूणार्हुति व विशाल भंडारा।

महाकुंभ में आने वाले मेहमानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो : ओपी पांडे

● नगर पंचायत सिरसा के अधिशाषी अधिकारी के आह्वान पर मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु प्रयागराज मिजार्पुर हाइवे पर बना है विश्राम गृह

मेजा। जिले की सीमा से सटे महाकुंभ में पहुंचने वाले दर्शनार्थियों के लिए ठहरने का व्यापक इंतजाम किया गया है।बता दें कि मेजारोड बाजार में नगर पंचायत सिरसा के बैनर तले प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश पर प्रयागराज-मिजार्पुर राजमार्ग पर मुख्य बाजार में अधिशाषी अधिकारी सिरसा अमित कुमार के द्वारा दर्शनार्थियों के ठहरने के लिए विश्राम गृह बनाया गया हैं। इसके साथ ही विशेष तिथियों पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए सूक्ष्म जलपान की

भी व्यवस्था कराई गई है। रैन बसेरे में यात्रियों के ठहरने के लिए एक हाल तथा शौचालय व गर्म पानी की व्यवस्था की गई।

प्रयागराज व्यापार मंडल के जिला महा मंत्री एवं मेजा व्यापार मंडल के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा व मेजारोड व्यापार मंडल के महामंत्री ओपी पांडेय ने महाकुंभ में पहुंचने वाले स्नानार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि हम लोग खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं कि प्रयाग की पावन भूमि पर हम लोगों ने जन्म लिया जहां पूरा विश्व हमारा मेहमान बनकर संगम में डुबकी लगाने के लिए आ रहे हैं। ऐसे में हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि मेहमानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो । रैन बसेरे में पहुंचने वाले स्नानार्थियों के लिए दिन और रात की शिफ्ट में दो दो कर्मचारियों की नियुक्ति की गई।

सैकड़ों जरूरतमंदों को वितरित किया गया कंबल

ब्लाक प्रमुख के जन्मदिन पर आयोजित किया गया कार्यक्रम, दो पूर्व मंत्री हुए शामिल

अखंड भारत संदेश

पट्टी। ब्लॉक प्रमुख बाबा बेलखर नाथ धाम ने अपने आवास पर दो पूर्व मंत्रियों की मौजूदगी में इलाके के सैकड़ो जरूरतमंदों के मध्य कंबल वितरित किया।

ब्लॉक प्रमुख बाबा बेलखरनाथ धाम सुशील सिंह मकर संक्रांति के पावन पर्व पर अपने आवास पर कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद पूर्व मंत्री प्रोफेसर शिवाकांत ओझा व राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। प्रोफेसर ओझा ने कहा कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य उत्तरायण होते हैं। आज से सनातन धर्म के सभी शुभ कार्य प्रारंभ होते हैं। आज ही के दिन

ब्लाक प्रमुख को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए

भीष्म पितामह ने अपने देह को त्यागा था। उन्होंने युधिष्ठिर को राजधर्म का ज्ञान प्रदान किया था। इस दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा इस भीषण ठंड में जो पुनीत कार्य ब्लॉक प्रमुख द्वारा किया जा रहा है वह सराहनीय है। भगवान ब्लॉक प्रमुख सुशील सिंह को सतायु प्रदान करें। वह निरंतर समाज की सेवा में अग्रसर रहे। दोनों मंत्रियों ने केक काटा और उन्हें जन्मदिन की शुभकामना भी दी। कार्यक्रम में नागेंद्र मिश्र विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख पट्टी राकेश सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष रामगंज राकेश सिंह, सतीश सिंह, अमित सिंह, फतेह बहादुर सिंह राजकुमार सिंह प्रमुख कमलाकांत यादव बार अध्यक्ष राधा रमन मिश्रा समेत इलाके के सैकड़ो की संख्या में संभ्रांत लोग वा लाभार्थी मौजूद रहे। कंबल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ दोनों पूर्व मंत्रियों के हाथों से जरूरतमंदों को कंबल दिलवा कर ब्लॉक प्रमुख ने करवाया। इसके बाद बारी-बारी से वहां मौजूद सभी लाभार्थियों को कंबल दिया गया। यह कार्यक्रम मंगलवार की देर शाम तक चलता रहा।

दो बाइक की भिड़ंत में तीन घायल,रेफर

पट्टी। बनपुरवा गांव के पास दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं। पट्टी के बीबीपुर गांव स्थित जलकल प्लांट में काम करने वाले धनंजय मोर्य पुत्र जयंती मौर्य अपने एक साथी को छोड़ने के लिए सुल्तानपुर जनपद के चांदा बाजार गया हुआ था। सोमवार की शाम वह वापस लौट रहा था। इस दौरान बेला रामपुर गांव निवासी छोटू जायसवाल व पियूष उपाध्याय एक बाइक से सैफाबाद की तरफ जा रहे थे। बनपुरवा गांव के पास दोनों बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी लाया गया। जहां से हालत गंभीर होने पर तीनों को जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। तीनों घायलों का इलाज जिला मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

न्यूज झरोखा

चंद्रशेखर तिवारी के जिलाध्यक्ष चयनित होने पर जतायी गयी खुशी

प्रतापगढ़। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की मंगलवार को हुई संगठनात्मक बैठक में महासंघ के जिलाध्यक्ष पद पर वरिष्ठ पत्रकार चंद्रशेखर तिवारी के चयन को लेकर खुशी जतायी गयी। बैठक में स्थानीय पत्रकारो ने चयन को लेकर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र तथा राष्ट्रीय संयोजक डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय एवं मुख्य राष्ट्रीय महासचिव मथुरा प्रसाद धुरिया के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। वही बैठक मे छत्तीसगढ़ के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या को लेकर महासंघ द्वारा न्यायिक जांच की भी मांग उठायी गयी है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पत्रकार उत्पीडन निवारण प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि केंद्र पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक के जरिए पत्रकारो की सुरक्षा सुनिश्चित करे। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार अजय पाण्डेय रहे। संचालन तहसील इकाई अध्यक्ष विकास मिश्र ने किया। इस मौके पर डॉ. आशीष सिंह, सुरेन्द्र तिवारी सागर, बाबा नरेन्द्र ओझा, अखिलेश मिश्र, विनोद सिंह, साकेत मिश्र, मनोज सिंह, सुरेश मिश्र मदन, संजय शुक्ल, राजेन्द्र मिश्र, राजकुमार मिश्र, आशुतोष मिश्र, शत्रुघ्न पाण्डेय, जाकिर अली आनन्द त्रिपाठी, मुकेश तिवारी, सुनील सिंह, प्रमोद सिंह बाबा, अशोकधर द्विवेदी, राहुल मिश्र, मनोज त्रिपाठी, आनन्द त्रिपाठी, राजेश पाण्डेय, दयाशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, आईपी मिश्र, सुशील सिंह बघेल, धर्मेन्द्र मिश्र, प्रेम मिश्र, लवलेश शुक्ल, अनूप तिवारी, उमेश तिवारी, जगत वर्मा, गौरीशंकर तिवारी, रामू मिश्र, शास्त्री सौरभ, संजीव त्रिपाठी, अनिल महेश, एसएस यादव, राजीव तिवारी, सरवर आलम, सुमित त्रिपाठी, अरविन्द दुबे, शुभम श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, शिवाकान्त मिश्र आदि रहे।

रंजिश में वृद्ध को किया घायल, दी तहरीर

लालगंज। रंजिश में वृद्ध को मारपीट कर घायल करने की घटना को लेकर पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर दी है। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे दिकतन मंगापुर गांव निवासी बजरंग बहादुर सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि आठ जनवरी को सुबह करीब नौ बजे उसके पिता अवधपाल सिंह 90 गांव के पास मवेशी चरा रहे थे। आरोप है कि इसी बीच धारदार हथियार लेकर गांव का राजेश मौर्य वहां पहुंचा और मारपीट कर वृद्ध को घायल कर दिया। घायल वृद्ध का एम्स रायबरेली में इलाज जारी है। एसओ राधेबाबू का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

तीन पर मारपीट का केस दर्ज

लालगंज। मारपीट गालीगलौज व धमकी को लेकर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के इदिलपुर गांव निवासी सुधाकर विश्वकर्मा पुत्र राम नारायण विश्वकर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि रंजिश को लेकर चार जनवरी को सुबह करीब आठ बजे परिवार के दिवाकर, सुमन पत्नी प्रेमशंकर समेत तीन लोगों ने उसे मारापीटा व जानलेवा धमकी दी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

भण्डारे में उमड़े श्रद्धालु, ग्रहण किया प्रसाद

प्रतापगढ़। क्षेत्र के अमांवा गांव में मकर संक्रान्ति पर सामूहिक श्रीरामचरितमानस पाठ को लेकर भण्डारे का आयोजन हुआ। वहीं हवन पूजन में भी श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम दरबार की आरती उतारी। देर शाम तक श्रद्धालु भजन संकीर्तन के बीच प्रसाद ग्रहण करते दिखे। भण्डारे का आयोजन शिवशरण पाण्डेय पिंटू व रामशरण पाण्डेय ने किया। इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के पूर्व महामंत्री संतोष पाण्डेय, अधिवक्ता सिंटू मिश्र, बीडीसी धीरेन्द्र पाण्डेय, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, श्यामशरण पाण्डेय, सुनील पाण्डेय आदि रहे।

जमीनी रंजिश में पति-पत्नी को पीटा, मुकदमा दर्ज

बेलखरनाथ धाम। जमीनी रंजिश में आरोपितों ने पति-पत्नी की पिटाई करते हुए घर में तोड़फोड़ की। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कधंई थाना क्षेत्र के पूरे देवजानी गांव निवासी सैफुन निशा 11 जनवरी की सुबह 7 बजे अपने मवेशियों को चारा डाल रही थी।इस दौरान जमीनी रंजिश में अब्दुल अनस अपने घर के लोगों के साथ मिलकर सैफुन निशा को गाली देते हुए दौड़ा लिया। महिला शोर मचाते हुए घर के अंदर भागी। इस पर अब्दुल अनस सहित अन्य चार लोग घर में घुसकर तोड़फोड़ करते हुए लोहे की राड से हमला कर दिया। जिससे महिला घायल हो गई। बीच बचाव करने पहुंचे पति अब्दुल नसीम को भी पीटकर घायल कर दिया। आसपास के लोगों ने बेहोशी की हालत मे सैफुन निशा को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। तीन दिन बाद सैफुन निशा ने गांव के अब्दुल अनस, इंजमाममुल हक, सहरुन निशा,अमीना बेगम, मोमिना बेगम, गुफराना बानो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

रेलवे के सिग्नल स्टोर में लगी आग, हजारों का नुकसान

रहस्यमय तरीके से लगी आग से स्टोर में रखी केबल और सामान जलकर राख

दमकल विभाग ने बुझाई आग, रिहायशी इलाके में है स्टोर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन से सटे सिग्नल विभाग के स्टोर में मंगलवार को सुबह रहस्यमय तरीके से लगी आग से मंहगी केबल और अन्य सामान जलकर राख हो गया है। इस हादसे में रेलवे को हजारों का नुकसान होने का अनुमान है। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी घंटों बाद बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा सकी। इस घटना को लेकर तरह तरह की चचाएं हो रही हैं। लोगों का कहना है कि आग की आड़ में गोलमाल छिपाने का प्रयास किया गया है। फिलहाल आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है। चर्चा हैं कि घटना शॉर्ट सर्किट से हुई होगी।आरपीएफ जांच कर रही है। डीआरएम ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। इस घटना ने पूरे मंडल में हड़कंप मचा दिया है। जिम्मेदार अपना बचाव करना शुरू कर दिए हैं। घटना

आगम में जलकर खाक हुई केबल व सामान

सुबह करीब सात बजे की है। रनिंग रूम से निकल रहे गार्डों ने स्टोर रूम से निकल रहे धुएं की सूचना एसएस एसके यादव को दी। उन्होंने बाकी लोगों को इस बारे में बताया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड वाले भी पहुंच गए। उन्होंने आग बुझाई। इस बारे में एसएसई सिग्नल एसपी पांडेय ने बताया कि स्टोर में किन्ही कारणों से आग लग गई थी। जिसे दमकल की मदद से बुझाया गया। स्टोर में केबल और जरूरी सामान जला है। नुकसान का आंकलन कराया जा रहा है।

दूसरे के घर को बनाया था स्टोर

सिग्नल के अधिकारियों ने खुद का स्टोर होते हुए भी टेलीफोन वालों के आवास को स्टोर बनाया था। हालांकि इसमें एसएसई शशिकांत टेलीकॉम को रहना था। लेकिन इसी बीच उनका ट्रांफसर प्रयाग हो गया। जबकि एसएसई सिग्नल एसपी पांडेय का दावा है कि आवास टेलीकॉम के एसएसई का है। उन्होंने उसमें अपना स्टोर रूम बनाया था। शशिकांत का कहना है कि आवास उनके नाम नहीं था।

तीन साल पहले स्टोर में हुए थी डकैती

तीन साल पहले इसी इलाके में डकैती पड़ी थी। जिसमें डकैतों ने स्टोर के गार्ड को बंधक बनाकर ओची की केबल मालवाहक पर लादकर भाग गए थे। इसमें पुलिस को जांच के दौरान विभागीय मिलीभगत के क्लू मिले थे। अग्निकांड में भी कुछ ऐसे ही कांड की गंध आ रही है। फिलहाल जांच के बाद स्थिति साफ हो जाएगी।

पहले सिग्नल पूल में था स्टोर

जिस आवासनुमा स्टोर में आग लगने की घटना हुई है। वह इस समय टेलीफोन विभाग के पूल में है। इसके पहले सिग्नल के पूल में था। उसी समय से केबल रखी गई थी। जो हटाई नहीं गई। इसको हटाने के लिए शशिकांत ने आईओडब्ल्यू से कहा भी था। आवास मरम्मत के लिए रखा गया था।

सेफ्टी में हुई चूक

आग लगी या लगाई गई है यह जांच के बाद ही पता चलेगा लेकिन इसके रखरखाव में लापरवाही जरूर बरती गई है। दूसरे के आवास को जिसका फौरी तौर पर कोई जिम्मेदार नहीं है उसमें केबल रखना सुरक्षा के लिहाज से ठीक नहीं था। आरपीएफ की ओर से भी सुरक्षा को लेकर अनदेखी हुई। आग लगने की असली वजह अभी पता नहीं चल पाई है।

मकर संक्रांति पर्व पर आयोजित हुआ खिचड़ी भोज कार्यक्रम

मकर संक्रांति पर खिचड़ी भोज ग्रहण करते हुए

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मकर संक्रांति के पर्व पर विश्वनाथगंज बाजार में जन जागरण समिति के तत्वाधान में खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। जिसमें महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही स्थानीय लोग शामिल हुए।

जन जागरण समिति की ओर से विश्वनाथगंज बाजार स्थित शिव मंदिर पर आयोजित खिचड़ी भोज में लोगों को प्रसाद स्वरूप खिचड़ी का वितरण किया गया। इस दौरान महाकुंभ के श्रद्धालुओं के साथ ही दूर दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जन जागरण समिति के महामंत्री रोहित सिंह ने कहा कि इस तरह के प्रयोजन से आपसी भाईचारे के साथ दूर दराज से आए हुए श्रद्धालुओं की सेवा का मौका मिलता है। खिचड़ी भोज कार्यक्रम में रामचंद्र मिश्र शास्त्री, अरूण मिश्र, संदीप मिश्र, अतुल यादव, देवेन्द्र मिश्र, राजकुमार, प्रमोद मिश्र पूर्व प्रधान, आनंद शुक्ला, विकास प्रधान, सिद्धार्थ सिंह आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

फूड प्वाइजनिंग से आधा दर्जन हुए बीमार

प्रतापगढ़। उदयपुर थानान्तर्गत डड़वा भइयापुर दर्रा गांव में भोजन करने के बाद अचानक परिवार के आधा दर्जन लोगों के बीमार हो जाने से हडकंप मच गया। आननफानन में सभी को इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी भेजवाया गया। बीमार लोगो की हालत खतरे से बाहर बतायी गयी है। गांव निवासी शिवबरन सिंह के घर में सोमवार की रात भोजन करने के बाद आधा दर्जन लोग बीमार हो गये। भोजन के करीब आधा घंटे बाद शिवबरन सिंह के पुत्र उन्नींस वर्षीय महेन्द्र, सत्रह वर्षीय सूरज व तेरह वर्षीय अतुल तथा बीस वर्षीय वीर सिंह पुत्र जयसिंह, चैदह वर्षीय अंकुश पुत्र राजू सिंह व अड़तीस वर्षीय नीलम पत्नी फूल सिंह को उल्टी व खुजली होने लगी। अचानक आधा दर्जन लोगों में उल्टी होते देख परिवार में हडकंप मच गया। आननफानन में सभी को इलाज के लिए सीएचसी सांगीपुर ले जाया गया। जहां इलाज के बाद मंगलवार सुबह सभी को घर भेज दिया गया। परिजनों मे चर्चा के मुताबिक भोजन बनाने के दौरान कड़ाही में छिपकली गिर जाने से लोग बीमार हुए थे। सीएचसी डा. धर्मेश शुक्ला का कहना है कि फूड प्वाइजनिंग के चलते लोग बीमार हो गये थे। इलाज के बाद सभी खतरे से बाहर हैं।

अलग-अलग मारपीट की घटनाओं में महिला सहित दो घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी। अलग-अलग मारपीट में महिला सहित दो लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी भेजा, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद घायलों ने शिकायत किया है।

कोतवाली क्षेत्र के नदी गांव निवासिनी प्रेम देवी विधवा ने मंगलवार की दोपहर प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है वह सोमवार की की देर रात अपने घर पर बैठी थी। इसी दौरान पड़ोस की रहने वाली दो महिला उसके घर आई और गालियां देने लगी। देखते ही देखते लाठी डंडे से मार-पीट कर घायल कर दिया। जिससे महिला का सिर फट गया और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। सूचना पर

पड़ोसी द्वारा गिरा गया बाउंड्री वाल

पहुंची पुलिस घायल महिला को 108 एंबुलेंस से इलाज के लिए सीएचसी भेजा जहां पर इलाज के बाद विधवा महिला ने प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। इसी गांव के ही रहने वाले शनि सरोज ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसका बाउंड्री वॉल पड़ोसी गिरा रहे थे। मना किया तो उक्त लोगों ने उसे लाठी डंडों से मार-पीट कर घायल कर दिया। पीड़ितों ने मामले में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल आलोक कुमार का कहना है कि दोनों घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। प्रार्थना पत्र के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

दो पक्षों में चले लाठी डण्डे, तेईस आरोपियों के खिलाफ क्रास केस

लालगंज। जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डण्डे चले। कोतवाली पुलिस ने मारपीट की घटना में तेईस आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, घर में घुसकर मारपीट व तोडफोड़ तथा धमकी समेत कई गंभीर धाराओं में क्रास केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के जेवई निवासी बसन्तलाल सरोज की पत्नी नीता देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि चैबीस दिसंबर को ग्यारह बजे दिन में रास्ते में कंटीली झाड़ी हटाने के विवाद को लेकर विपक्षियों ने जानलेवा हमला बोल दिया। आरोपी गांव के धर्मेन्द्र सरोज, राजू, राहुल, हरी लाल, गीता, सुषमा, निशा, सुमित्रा, विटान, मंजू, अंजू, विवेक कुमार, हरी लाल की पुत्री मंजू ने लाठी डंडे तथा कुल्हाडी से उसकी सास राजकली पर हमला बोल दिया। कुल्हाडी की चोट लगने से राजकली गंभीर रूप से चुटहिल हो गयी। वह मौके पर ही बेहोश हो गयी। बीचबचाव में पीडिता की पुत्रियों के साथ भी आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की। शोर मचाने पर आरोपियो ने गृहस्थी के सामान तोडकर नष्ट कर दिये। आरोपी गालीगलौज करते जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने धर्मेन्द्र समेत बारह आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष के धर्मेन्द्र सरोज की पत्नी निशा सरोज ने दी गई तहरीर में कहा है कि गांव के बसंत लाल की पत्नी नीता, ज्योती, राजकली, आरती, कुसमा, आशा, गोग, पुतन, भुल्ली, गुडडी व बदलू ने लाठी डंडे तथा लोहे की राड से लैस होकर गालीगलौज करने लगे। मना करने पर पीडिता व उसकी जेठानी तथा ददिया सास पर जानलेवा हमला बोल दिया। मारपीट में वृद्धा बेहोश होकर गिर पड़ी। बीचबचाव को पहुंचे परिजनों के साथ भी आरोपियो ने घर में घुसकर मारपीट की। पीडिता के ससुर का दाहिना हाथ टूट गया। शोर मचाने पर आरोपी गालीगलौज करते जानलेवा धमकी देने लगे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने नीता समेत ग्यारह के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है, जांच कर आरोपियो के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

समाज को प्रकाश और आशा की ओर ले जाने वाला पर्व है मकर संक्रांति : संतोष

प्रतापगढ़। बाबा बेलखरनाथ धाम खण्ड के शांति आदर्श विद्यालय निकेतन सराय गनई में 14 जनवरी मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मकरसंक्रांति उत्सव मनाया गया। इस मौके पर सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कार्यवाह हेमन्त कुमार,जिला प्रचार प्रमुख अंकुर, जिला घुमंतू कार्य प्रमुख संतोष,खंड कार्यवाह अजय प्रताप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संत बहादुर सिंह ने की। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद जिला घुमंतू कार्य संयोजक संतोष ने मकर संक्रांति उत्सव की महत्ता के विषय में वृहद जानकारी देते हुए कहा कि मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य नारायण मकर राशि में प्रवेश करते हैं तथा दक्षिणायन समाप्त होकर उत्तरायण प्रारंभ होता है। मकर संक्रांति का दिन देवताओं की सुबह का दिन कहा जाता है। इस दिन वातावरण में ऊष्मा बढ़ने लगती है। यह त्यौहार समाज को प्रकाश और आशा की ओर ले जाने वाला पर्व है। सहभोज के

सहभोज कार्यक्रम में उपस्थित लोग

दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह हेमंत कुमार ने कहा कि समाज से छुआछूत और रूढ़ियों को समाप्त कर समरसता और स्वाभिमान को जगाने का पर्व है मकर संक्रांति। सहभोज द्वारा परस्पर एक साथ बैठकर खिचड़ी खाकर एकसूत्र में हम बंधने का संकल्प लेते है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सह खंड कार्यवाह शिवेंद्र, समरसता प्रमुख अजीत सिंह, अधिवक्ता परिषद के जिलाध्यक्ष मनोज, मदन सिंह, भाजपा नेता आलोक पांडेय, विभाग अभिलेख प्रमुख विपिन, श्रवण शर्मा, रमेश भास्कर, कृष्ण प्रताप सिंह, पप्पू यादव, मोतीलाल विश्वकर्मा,राम सुंदर यादव, मोतीलाल सरोज, मोतीलाल गुप्ता, वीरेंद्र शर्मा, अरुण कुमार, हितेश त्रिपाठी, सत्य प्रकाश सिंह, हरिलाल, विपिन सिंह ,बृजेंद्र सिंह राजदेव पांडे ,तीर्थराज सरोज,भाजपा नेता वीरेन्द्र सिंह आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

अज्ञात चालक पर गैरइरादतन हत्या का केस

प्रतापगढ़। दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान हुई मौत को लेकर पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के तुलापुर निवासी रेनू सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पचीस दिसंबर को घर से बाजार जाते समय लीलापुर साहबगंज मार्ग पर अज्ञात बाइक सवार ने उसके पति अवनीश प्रताप सिंह को जोरदार टक्कर मार दिया। इलाज के दौरान एक्स रायबरेली में छब्बीस दिसंबर को अवनीश की मौत हो गयी। श्राद्ध कर्म के बाद पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। एसओ अरूण कुमार सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

मकर संक्रान्ति पर्व पर जरूरतमंदों को बांटा गया कम्बल

लालगंज। मकर संक्रान्ति के पर्व पर क्षेत्र के गोड़वा के ककोरिहा गांव में जरूरतमंदो को कंबल वितरित किया गया। बाला जी धाम पर परम्परागत आयोजन में सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए आयोजन समिति द्वारा सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के संयोजक समाजसेवी कालिका प्रसाद पाण्डेय ने अवकाश प्राप्त शिक्षक एवं पूर्व प्रधान केडी मिश्र, पूर्व प्रधान राजू पाण्डेय, पूर्व जिपंस दीपक मिश्र, शास्त्री सौरभ त्रिपाठी आदि को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। ठण्ड में कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर संतोष देखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्र व संचालन फूलचंद्र पाण्डेय ने किया। इस मौके पर सुभाषचंद्र पाण्डेय, सालिकराम तिवारी, महेन्द्र मिश्र, श्याम नारायण तिवारी, रामसेवक सरोज, कमला सरोज, मोती गुप्ता आदि रहे। इधर नगर पंचायत के सांगीपुर वार्ड में भी विद्या मंदिर मार्ग पर मकर संक्रान्ति पर कंबल वितरण किया गया। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने जरूरतमंदो को कंबल बांटे। इस मौके पर लेखपाल संघ के अध्यक्ष केके सरोज, शिवम सिंह, विनोद सोनी, बाबूलाल सोनी, मनमोहन यादव आदि रहे।

नेशनल हाइवे पर कार पलटी आधा दर्जन घायल

अखंड भारत संदेश

जोरदार टक्कर होने से ओमनी वैन पलट जाने से कई मीटर तक घसीटती रही वैन

कड़ा कौशाम्बी। सैनी थाना क्षेत्र के अठसरांय गांव के समीप नेशनल हाईवे पर मंगलवार की दोपहर अचानक एक ओमनी कार पलट कर कई मीटर दूर तक घसिटती चली गई उसके बाद ओमनी के अंदर से धुएं का गुबार निकलने लगा जिसे देखकर वहां मौजूद लोगो और राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर बचाव एवं राहत कार्य शुरू किया मामले की सूचना पुलिस को दी गई बताया जाता है कि कानपुर बिधूना के रहने वाला परिवार प्रयागराज गंगा स्नान के बाद वापस कानपुर लौट रहा था जो हादसे का शिकार हो गया है इस हादसे में चार महिला दो पुरुष घायल बताए जाते हैं। जानकारी के मुताबिक कानपुर के बिधूना के रहने वाले अजय कुमार अपने घर परिवार के चार महिला और दो पुरुष के साथ कार से प्रयागराज महाकुंभ स्नान करने गए थे स्नान करने के बाद मंगलवार की दोपहर में कार से वापस कानपुर बिधूना लौट रहे थे जैसे ही कार सवार सैनी कोतवाली क्षेत्र के अटसराय के पास पहुंचे पीछे की तेज गति कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी जिससे उनकी कार सड़क पर पलट गई और काफी दूर तक घसीट कर चली गई है हादसे के बाद कार के अंदर चीख पुकार मच गई दुर्घटना के बाद मौके पर राहगीर और स्थानीय लोग पहुंचे मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुँची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है घटना में कई लोग घायल हुए हैं जिन्हें स्थानीय पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज चल रहा है।चश्मदीदों की माने तो कानपुर प्रयागराज हाईवे में सैनी थाना क्षेत्र के अटसराएं गांव के समीप अचानक प्रयागराज की तरफ से कानपुर जा रही है टीयूवी कार ने अनियंत्रित होकर आगे चल रही ओमनी कार को टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि ओमनी के चारों टायर ऊपर हो गए और पलट कर कई मीटर दूर तक घसीटती चली गई इसके बाद पलटी हुई ओमनी वैन से धुएं का गुबार उठने लगा जिससे लोगों में अफरा तफरी मच गई दुर्घटनाग्रस्त हुई ओमनी वैन में ममता देवी पूजा देवी राधादेवी अनीता देवी गोविंद और अजय निवासी विधूना कानपुर सहित 6 लोग सवार थे महाकुंभ में गंगा स्नान के बाद वापस लौट रहे थे जिसमें दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, आनन-फानन में सूचना पर पहुंचे स्थानीय पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज चल रहा है। नेशनल हाईवे पर हुई इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोग घायल

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के बिसारा के पास बाइक सवार दो लोग सड़क हादसे के शिकार हो गए हैं हादसे की जानकारी मिलते ही मौके में पहुंचे स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस 108 को दिया है मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है जानकारी के मुताबिक नगर पालिका परिषद भरवारी के सिंधिया निवासी बृजेश कुमार पुत्र बाबूलाल और पवन कुमार पुत्र शिवचरण बाइक से कहीं गए थे जहां से वह मंगलवार की देर रात वापस लौट रहे थे और जैसे ही वह बिसारा के पास पहुंचे कि वह सड़क हादसे के शिकार हो गए हैं दुर्घटना में बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर गिर पड़े हैं और गंभीर रूप से घायल हो गए हैं मौके पर पहुंचे लोगों ने मामले की सूचना 108 एंबुलेंस और पुलिस को दी है मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है और दुर्घटना की जानकारी घायल के परिवार वाले लोगों को दे दिया है।

आठवें दिन गंगा नदी में मिला चौथा युवक

कड़ा कौशाम्बी। कड़ा कोतवाली के बाजार घाट कड़ा में पिता का श्राद्ध कियाकर्म करने के बाद स्नान करने के दौरान एक परिवार के चार लोग नदी में डूब गए थे तीन लोगों को गोताखोरों ने पहले निकाल लिया है जिनमें दो लोगों की मौत हो चुकी है मंगलवार को हादसे के आठवें दिन ऋषभ मिश्रा का शव मिला है। उनका शव कड़ाधाम थाना क्षेत्र के चंपतपुर घाट कुटी के सामने मिला है जहां एक सप्ताह पहले वह स्नान के दौरान गंगा में डूब गए थे। शव मिलने की सूचना पर गोताखोर मकबूल और कड़ाधाम पुलिस के जवानों ने ऋषभ के शव को गंगा से बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना में ऋषभ के परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है।

कोहरे के बाद भी खचाखच भरा रहा प्रभाष गिरि मेला

यमुना स्नान करने के बाद भक्तों ने किया खिचड़ी दान मेले में पत्थर के समान और लाठी की जमकर हुई खरीददारी

कौशाम्बी। जनपद के पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के यमुना नदी के किनारे पभोषा गांव में मकर संक्रांति पर्व पर 14 जनवरी को प्रभाषगिरि पभोषा मेला में भारी भीड़ उमड़ पड़ी घने कोहरे के बाद भी चारों ओर महिला पुरुष बच्चों की भीड़ दिखाई पड़ रही थी भीड़ के चलते काफी देर तक सड़क पर आवागमन भी बाधित रहा मकर संक्रांति के पर्व पर लगने वाले प्रभाष गिरि के ऐतिहासिक मेले में पहुँचे लोगो ने यमुना नदी में स्नान करने के बाद गरीब कमजोर मजलूम और भिखारी के बीच खिचड़ी दान भी किया एवं यमुना नदी में स्नान के बाद भक्तों ने मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना भी की मेले में लोगो ने जमकर खरीददारी भी की। इसके अलावा प्रभाषगिरि पर्वत पर लोगों ने लुत्फ उठाया युवाओं की टोली ने पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति को यादगार बनाया मकर संक्रांति के पर्व पर जश्न मनाने यहां नए जोड़े भी आते हैं और पूजा पाठ के बाद घूमते टहलते एवं मेला का आनंद लेते है। सैकड़ो वर्ष से लगने वाले इस मेले की विशेषता यह है कि पत्थर के समान और लाठी की खरीददारी भी लोग करते हैं पत्थर के सामानों और लाठी की सैकड़ो दुकान मेला क्षेत्र में लगी थी जहां लोगों की भीड़ लगी रही की सुरक्षा के लिए यहां पुरुष एवं महिला सिपाहियों की तैनाती भी रही। जनपद मुख्यालय से एसडीएम सीओ सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मेले की सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद रहे मेला आयोजक समाजसेवी सुनील तिवारी प्रधान ने भी मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए अच्छी व्यवस्था की थी।

मकर संक्रांति के पर्व पर गंगा यमुना के घाटों पर उमड़ी हजारों श्रद्धालुओं की भीड़

गंगा यमुना नदी के पवित्र जल में स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चन कर देश के कल्याण की कामना की

कौशांबी। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर 14 जनवरी को गंगा और यमुना के विभिन्न घाटों पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भोर से ही अपार भीड़ उमड़ पड़ी कपकपाती ठंड और कोहरे के बाद भी गंगा यमुना के विभिन्न घाटों में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हुई जिले में गंगा नदी के कड़ा घाट पल्हना घाट बदनपुर घाट सांदीपन घाट उमरछा घाट काकरा बाद घाट फतेहपुर घाट कड़ा घाट में सुबह से ही स्नान करने वालों भक्तों की भीड़ लगी रही यमुना नदी के महेवा घाट महिला घाट पभोषा घाट सहित विभिन्न यमुना घाटों में लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर स्नान किया है गंगा यमुना की नदी में स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चन कर देश के कल्याण की कामना की है मकर संक्रांति का पर्व जिले में बड़े धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया है गंगा स्नान और यमुना स्नान करने के बाद भक्तों ने गरीब कमजोर मजलूम और भिखारी के बीच खिचड़ी फल फूल अन्य का दान किया है। गंगा यमुना में स्नान के चलते जिले के प्रमुख चौराहों पर पूरे दिन भीड़ का आलम बना रहा है सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर स्थानीय थाना पुलिस और यातायात पुलिस के जवान बराबर भीड़ को नियंत्रित करते रहे। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जगह-जगह पर भक्तों द्वारा खिचड़ी भोज हलुवा भोज पूड़ी दमआलू भोज का आयोजन कर हजारों भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया है।

मकर संक्रांति पर्व : संदीपन घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

कोखराज कौशांबी। मकर संक्रांति के पर्व पर कोखराज क्षेत्र के अन्तर्गत संदीपन घाट गंगा नदी में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगाई मकरसंक्रांति में हिन्दू आस्था के केंद्र रहे संदीपन आश्रम में गंगा घाट पर मंगलवार की भोर में ही घने कोहरे के बीच भक्तों की आस्था कम नहीं हुई और भोर से ही हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई प्रशासन ने भी कमरकस कर मुस्तैदी दिखाते दिखाई दिये मौके पर बीट दरोगा शकील अहमद अपने सहयोगी सहित उपस्थित रहें व हरीश तिवारी दरोगा भी राजस्व प्रभारी कानून गो सोहनलाल व आशीष मौर्या,दीपक कुमार, दीवान पांडेय जी अंकित कुमार, संदीप कुमार सिपाहियों हमराहियो व अन्य सहयोगियों के साथ गंगा घाट पर लोगों को सचेत व निरीक्षण में उपस्थिति रहे।

न्यूज झरोखा

14 जनवरी को मकर संक्रांति पर पभोसा में आयोजित हुआ विशाल मेला

महेवाघाट कौशाम्बी। यमुना नदी के किनारे स्थित प्रभास गिरी के पर्वत पभोषा में मकर संक्रांति के दिन 14 जनवरी को विशाल मेला के आयोजन में तमाम गांव के महिला पुरुष बच्चों की भारी भीड़ पहुंची है मेले में विभिन्न प्रकार की दुकान लगाई गई थी ठंड और घने कोहरे के चलते मेले की भीड़ कम नहीं हुई है यह मेल 14 जनवरी और 15 जनवरी 2 दिन ग्रामीण जनता से खचाखच भरा रहता है ग्राम प्रधान सुनील तिवारी और थाना अध्यक्ष पश्चिम सरीरा त्रिलोकी नाथ पांडेय की देखरेख में आयोजित हुआ लेकिन मेले में भीड़ अधिक होने के चलते पुलिस मेले की भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सकी और सड़क पर कई घंटे जाम लग रहा जिससे मेले में पहुंचे लोग परेशान दिखाई पड़े मेले में आस-पास के हजारों लोग धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का हिस्सा बनें। प्रभास गिरी पर्वत पभोसा का धार्मिक महत्व विशेष रूप से महत्वपूर्ण है,क्योंकि यहां जैन और बौद्ध धर्म से जुड़े स्थल मौजूद हैं यह स्थान भगवान बुद्ध और जैन धर्म के महापुरुषों की तपस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। पभोसा पहाड़ के पास यमुना नदी में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने वाले भक्तों का भारी भीड़ उमड़ पड़ा है और मकर संक्रांति के पर्व पर यमुना नदी में आस्था की डुबकी लगाई है

मकर संक्रांति पर शेरगढ़ के मेले में महिला पुरुषों की रही भीड़

तिल्हापुर कौशांबी पिपरी थाना क्षेत्र के शेरगढ़ में मकर संक्रांति के पर्व पर 14 जनवरी को विशाल मेले का आयोजन हुआ है कोहरा के बाद भी मेले में महिला पुरुष बच्चों की भारी भीड़ लगी रही ग्रामीण जनता ने मेले का भरपूर आनंद लिया सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मेले में पिपरी पुलिस के जवान एवं पीएसी मेले में भ्रमणशील रही प्रयागराज के महाकुंभ मेला के आयोजन को लेकर थाना अध्यक्ष पिपरी ने कसेन्दा प्रयागराज बॉर्डर पर वाहनों की चेकिंग की है यातायात नियंत्रित करने का उन्होंने पूरा प्रयास किया है।

भक्तों ने श्रद्धालुओं को बांटी खिचड़ी

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी मकर संक्रांति के पर्व पर भक्तों ने बड़े हर्ष उल्लास के साथ श्रद्धालुओं के नाश्ता पानी की व्यवस्था कराई है टेढ़ी मोड़ शहजाद पुर पर आज मंगलवार को मकर संक्रन्ति पर सुभाष गुप्ता सुरेन्द्र त्रिपाठी विनोद कुमार अरुण कुमार पासवान के सौजन से श्रद्धालुओं को खिचड़ी बाटी गई जिसमे हजारों श्रद्धांलुओं ने प्रसाद ग्रहण किया है।

पशु आहार के रूप में बिक रहा शराब का कचरा बन रहा पशुओं की मौत का कारण

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के टेढ़ी मोड़ शहजादपुर झंडापुर और उसके आसपास शराब बनाने के बाद उसे निकला हुआ कचरा पशुओं को चारा के रूप में बेचा जा रहा है शराब से निकाले कचरा पशुओं को खिलाने के बाद उनमें विभिन्न प्रकार की बीमारी जन्म लेती है और इसको खाने से पशु बांझपन का शिकार हो रहे हैं लंबे समय से इस खेल में क्षेत्र के माफिया सक्रिय है लेकिन उन पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई है शराब का निकला कचरा सडूआ लगातार बाहर से कौशाम्बी लाया जाता हैं जिससे शराब बनती हैं उसी का कचरा खिलाने से पशुओं को बांझपन की ओर ले जा रहा है शहजाद पुर पुलिस चौकी क्षेत्र के झंडा पुर की एक बाग में रोड पर कई महीनों से रात में यह शराब का कचरा उतारा जा रहा है लेकिन शराब का कचरा उतारने वाले लोगों के कारनामों को अभी तक किसी अधिकारी ने संज्ञान नही लिया पशुपालकों के बीच यह पूरे जिले में कैंसर की तरह फैल चुका है इस पर रोक लगाए जाने की मांग इलाके के लोगों ने अधिकारियों से की है।

25000 के इनामियां अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र में आतंक का पर्याय बने अभियुक्त की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 25000 का इनाम घोषित किया था लेकिन फिर भी वह पुलिस की पकड़ में नहीं आ रहा था मंगलवार को पिपरी थाना के उपनिरीक्षक अतुल रंजन ने सिपाहियों के साथ 25000 के इनामियां अभियुक्त झल्लर निवासी औधन को रसूलपुर ब्यूर तिराहा से गिरफ्तार कर लिया है लिखा पढ़ी करने के बाद उसे अदालत में पेश किया है।

केपीएस भरवारी के हॉस्टल में मकर संक्रांति का उत्साहपूर्ण आयोजन

भरवारी कौशाम्बी। मकर संक्रांति के पर्व 14 जनवरी 2025: को केपीएस भरवारी के हॉस्टल में मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ पतंगबाजी की, एक-दूसरे की पतंग काटने की प्रतिस्पर्धा का आनंद लिया और हंसी-खुशी के बीच समरसता का संदेश दिया।इस अवसर पर हॉस्टल के छात्रों ने रंग-बिरंगी पतंगों से आकाश को सजाया। पूरे मैदान में बच्चों के उत्साह और ₹काट दिया₹, ₹वो गया₹ जैसी आवाजों से माहौल गूंज उठा। पतंग उड़ाने की इस प्रतियोगिता में बच्चों ने न केवल मस्ती की बल्कि एकता और भाईचारे का संदेश भी दिया।कार्यक्रम में डायरेक्टर और चेयरमैन ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने बच्चों के साथ पतंग उड़ाने का आनंद लिया और उनका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही हॉस्टल के शिक्षक भी इस आयोजन में शामिल रहे और बच्चों का हौसला बढ़ाया। संस्थान के चेयरमैन निवर्तमान विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने बच्चों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार ने कहा, ₹मकर संक्रांति न केवल खुशी और उल्लास का पर्व है, बल्कि यह समरसता और एकजुटता का प्रतीक भी है। इस तरह के आयोजन बच्चों को हमारे भारतीय त्योहारों और उनकी सांस्कृतिक महत्ता से जोड़ते हैं। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ, जिसमें बच्चों को तिल-गुड़ के लड्डू और पारंपरिक पकवान परोसे गए। इस आयोजन ने न केवल बच्चों बल्कि शिक्षकों के बीच भी उत्साह और खुशी का संचार किया।केपीएस भरवारी ने मकर संक्रांति के इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को परंपराओं से जोड़ा और एकता और समरसता का संदेश दिया।

बैरमपुर बाजार में धड़ल्ले से मिलावटी और नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री

कौशाम्बी। जिले के पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरमपुर बाजार और उसके आसपास की कई बाजार में मिलावटी और नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री लंबे अरसे से की जा रही है। इन दिनों हिंदुओं की आस्था के महापर्व मकर संक्रांति और सकठ के लिए खरीदारी की जाने वाली तिल ,गुड और अन्य नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थो से किराना की दुकानें भरी पड़ी हैं। लोगों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर संकट पैदा करके दुकानदार मालामाल हो रहे हैं। वहीं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ऐसे दुकानदारों से वसूली कर-के आंख कान बंद करके मौन है। गौरतलब हो कि बैरमपुर बाजार में एक दर्जन बड़े किराना स्टोर बीते कई सालों से खुले हुए हैं। जिनसे हर दिन लाखों रुपए के खाद्य पदार्थों की बिक्री की जाती है। इनमें मिलावटी और नकली गुड़, हल्दी, सरसों का तेल, बेसन, गरम मसाला, धनिया पाउडर, चाय पत्ती और पिसा हुआ नमक और किडनी व लीवर के लिए बेहद खतरनाक चाइनीज तिल खुलेआम बेचकर दुकानदार मालामाल हो रहे हैं। बैरमपुर बाजार से इलाके के गांवों में छोटी-छोटी दुकान चलाने वाले सैकड़ो दुकानदार भी सामान खरीद कर ले जाते हैं और अपनी दुकानों से गांव-गांव में बेचते हैं। बिक्री पर रोकथाम लगाने के लिए बीते एक साल के दौरान विभाग द्वारा एक भी नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला नहीं भेजा गया है।

आदित्य हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर में प्राथमिक उपचार की निशुल्क व्यवस्था

तिल्हापुर कौशांबी प्रयागराज में आयोजित विशाल महाकुंभ मेले के श्रद्धालुओं को निशुल्क प्राथमिक उपचार की व्यवस्था आदित्य हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर तिल्हापुर मोड़ के डॉक्टर मयंक केशरवानी के नेतृत्व में की गई थी डॉक्टर मयंक केसरवानी का कहना है कि महाकुंभ के मेले में जब सरकार और समाजसेवी संस्थाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के आयोजन कर श्रद्धालुओं की सेवा की जा रही है तो वह डॉक्टर है और उन्होंने निर्णय लिया है कि महाकुंभ में मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत होने पर वह प्राथमिक उपचार निशुल्क करेंगे आपातकाल में श्रद्धालुओं के इलाज की व्यवस्था तिल्हापुर मोड़ पर आदित्य हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर पर की गई है जहां फास्ट ट्रैक की व्यवस्था अस्पताल के चिकित्सको फार्मासिस्ट द्वारा की गई है श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की अचानक तकलीफ होने पर उनका इलाज किया गया है।

स्कूल जाते और घर आते समय मनचला युवक छात्रा से करता है छेड़खानी

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के महंगांव इंटर कालेज में अध्यनरत एक बालिका मनचले युवक की हरकत से तंग आ चुकी है। मनचले युवक की हरकत से बालिका की पढ़ाई बाधित हो रही है। मनचला युवक काफी दिनों से बालिका का पीछा करता है। बालिका जब स्कूल जाती है तो रास्ते में बालिका के ऊपर युवक अश्लील कमेंट करता है। मलाक मोईनुद्दीनपुर गांव निवासी श्री चंद पुत्र रामसुमेर ने संदीपन घाट थाना में शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री महंगांव इंटर कालेज की छात्रा है जब मेरी पुत्री स्कूल जाती है तो गांव का कंचन पुत्र नरेश उसका पीछा कर लेता है और सुनसान रास्ते में उसकी पुत्री के ऊपर छीटाकसी करता है। विरोध करने पर गाली- गलौज कर जान से मारने की धमकी दिया है। बालिका के पिता के द्वारा कई दफा समझाने का प्रयास भी किया गया लेकिन युवक आदत से बाज नहीं आया। श्री चंद ने संदीपन घाट थाना में शिकायती पत्र देकर मनचले युवक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

पिछड़े वर्ग को छोड़कर गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजनातर्गत ऑनलाइन आवेदन

कौशाम्बी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अश्विनी कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में गरीब रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले पात्र आवेदकों की आय सीमा में वृद्धि 100000/-(एक लाख रू0) प्रतिवर्ष से अधिक न हो, लाभार्थियां के लिए ऑनलाइन आवेदन में आधार प्रमाणीकरण/ ई0के0वाई0सी0 की प्रक्रिया लागू है।ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट पर किया जा सकता है।

नगर पालिका द्वारा वितरित किया गया खिचड़ी प्रसाद

भरवारी। कौशाम्बी मकर संक्रांति के पावन पर्व पर जीटी रोड चौराहा हाइवे पर नगर पालिका परिषद भरवारी की ओर से खिचड़ी के प्रसाद का वितरण किया गया है अध्यक्ष कविता पासी अधिशाषी अधिकारी राम सिंह साथ में किन्नर समाज की प्रमुख मुस्कान मौसी के साथ पूरी टीम ने आने वाले सभी तीर्थ यात्रियों को खिचड़ी का प्रसाद खिलाया है कविता पासी एवं राम सिंह द्वारा श्रद्धालुओं को रोक कर खिचड़ी एवं गरमा गर्म चाय पिलाकर मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं वहीं तीर्थ यात्रियों ने खिचड़ी एवं जल पान का आनंद उठाया इस मौके पर भोले शंकर मुन्ना लाल सक्षम सक्सेना शंकर लाल अग्रहरी विराट सक्सेना के एस झा एवं नगर पालिका के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर शंकर लाल अग्रहरी विराट सक्सेना के एस झा एवं नगर पालिका के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

धर्म संघ की तरफ से मकर संक्रांति के पावन पर्व पर वितरण की गई खिचड़ी

कौशाम्बी। धर्म संघ की तरफ से मकर संक्रांति के पावन पर्व पर सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसादी के रूप में खिचड़ी का वितरण किया गया। इस दौरान श्रद्धांलुओं को भाव पूर्वक खिचड़ी वितरित की गई। खिचड़ी वितरण धर्म संघ के संस्थापक व अध्यक्ष पं शिवा शास्त्री कोषाध्यक्ष अभिलाष पांडेय सचिव अभिषेक मिश्रा (गुरु जी), उपाध्यक्ष गौरव मिश्रा, महामंत्री संरक्षक कृपा शंकर मिश्रा सभी श्रद्धालुओं एवं गरीबों को खिचड़ी महाप्रसादी सेवा वितरण किया गया। समस्त धर्म संघी द्वारा यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। खिचड़ी वितरण कर मकर संक्रांति पावन पर्व के लिए सभी श्रद्धालुओं को धर्म संघ की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।

सम्पादकीय

दिल्ली चुनाव 'इंडिया' के लिये महत्वपूर्ण

मंगलवार को निर्वाचन आयोग ने दिल्ली विधानसभा के चुनावी कार्यक्रम की जो तारीखें घोषित की हैं, उसके अनुसार इसकी सभी 70 सीटों के लिये 5 फरवरी को मतदान होगा और 8 को नतीजे आएंगे। सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी को अपनी सरकार बचाने की चुनौती तो है, यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी से कहीं अधिक विपक्षी गठबन्धन इंडिया के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

देश की राजधानी में यह विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। पिछले दोनों या यूं कहें कि तीनों चुनावों में जिस तरह से आप ने सफलताएं अर्जित की थीं और उसकी ताकत में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई, उसके चलते कई संकटों के बावजूद आप मजबूती से चुनाव की धुरी बनी हुई है। वह भाजपा के साथ कांग्रेस को भी एक समान चुनौतियां पेश कर रही है। भाजपा के पास खोने को यहां बहुत कुछ नहीं है लेकिन असली दुविधा कांग्रेस के सामने है जिसे यहां अपना खाता तो खोलना ही है, भविष्य में इंडिया के इस महत्वपूर्ण घटक के साथ सम्बन्धों को बनाये रखने की भी चुनौती है जिसका वह नेतृत्व करती है। लोकसभा चुनाव चाहे खत्म हो गया हो परन्तु एक शक्तिशाली प्रतिपक्षी गठबन्धन जो ठोस स्वरूप ले चुका है वह कैसे बरकरार रहे- यह चिंता भी कांग्रेस को करनी है।

जन लोकपाल आंदोलन की कोख से जन्मी आप ने अपने पहले ही चुनाव में बड़ी कामयाबी हासिल की थी। उसे 28 सीटें मिली थीं तथा कांग्रेस के सहयोग से अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री तो बने थे परन्तु पर्याप्त बहुमत के अभाव में वे लोकपाल बिल पास नहीं करा पाये थे जिसका उन्होंने वादा किया था। 49 दिन की सरकार चलाने के बाद केजरीवाल ने फरवरी 2014 में इस्तीफा दे दिया था। उसके अगले साल हुए चुनाव में पार्टी को 70 में 67 सीटें मिली थीं। 2020 में भी उसे जबर्दस्त कामयाबी मिली थी, बावजूद इसके कि इस बार उसकी विधायक संख्या 62 रही। यह अवधि उसके लिये बड़े संकटों की रही क्योंकि इसी दौरान भाजपा के 'ऑपरेशन लोटस' के रडार पर वह सतत रही। कथित शराब घोटाले के आरोप में उसके एक मंत्री सत्येन्द्र जैन, उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और खुद केजरीवाल गिरफ्तार होकर लम्बे समय तक जेलों में रहे। दिल्ली के उप राज्यपाल ने राज्य के काम-काज में केन्द्र सरकार के इशारे पर कदम-कदम पर अवरोध पैदा किये। उसकी शक्ति घटा दी गयी। सीमित शक्तियों व संसाधनों के बावजूद आप ने जो काम किये उसके चलते निम्न वर्ग अब भी उसका वोट बैंक बना हुआ है जिसके बल पर आप अगली बार फिर से सरकार बनाने का भरोसा रखती है।

आप के जो भी नेता जेलों में थे, वे बेशक जमानत पाकर बाहर आ गये हों परन्तु भाजपा ने चुनाव प्रचार के लिये भ्रष्टाचार को अपना प्रमुख हथियार बनाया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में चुनाव प्रचार की शुरूआत करते हुए पार्टी का नाम तोड़-मरोड़कर 'आप-दा' कहने का जुमला गढ़ा और पार्टी को बेहद भ्रष्टाचारी दल बताया। हालांकि उन्हें पता है कि भाजपा जिस दल का मुकाबला कर रही है ।

आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ.एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोडकर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरू हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं।

मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है।

पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे।

इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हे शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षो के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है।

गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेगें। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं।

नफरत की इंतिहां : कहां गई शीर्ष नेताओं की नसीहतें

- राम पुनियानी

एक और पहलू को समझने की जरूरत है। जब इस तरह की सोच को राजनैतिक लाभ के लिए बढ़ावा दिया जाता है और इससे चुनावों में फायदा होता है तो शुरूआत में तो नेताओं को खुशी होती है। मगर फिर, जो बीज नेताओं ने बोये होते हैं, उनसे कई नए तत्व ऊग आते हैं और जैसा कि भागवत ने कहा, उनमें से कुछ राजनैतिक पद और प्रभाव हासिल करने की जद्दोजहद में जुट जाते हैं।

अपने गठन के बाद से ही आरएसएस ऐसी अनेक संस्थाओं का निर्माण करता आया है जो हिंदुत्व या हिन्दू राष्ट्रवाद की उसकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। हिंदुत्व की अवधारणा आर्य नस्ल, ब्राह्मणवादी मूल्यों और सिन्धु नदी से लेकर समुद्र तक की भूमि के आर्यावर्त होने पर आधारित है। आरएसएस ने जिन संगठनों और संस्थाओं को जन्म दिया है, उनकी संख्या 100 से ज्यादा है। इसके अलावा अनेक ऐसे संगठन हैं जो भले ही औपचारिक रूप से संघ परिवार के सदस्य न हों, मगर वे उसकी विचारधारा में रचे-बसे हैं. इनमें साधु-संतों के अनेक संगठनों व गौरक्षकों के समूहों सहित ऐसे अनेक गिरोह शामिल हैं जो हिन्दू धर्म के नाम पर हिंसा करने के मौकों की तलाश में रहते हैं। अब ऐसे कई संगठन अस्तित्व में आ चुके हैं जो अत्यंत आक्रामक हैं और जो आरएसएस द्वारा उसके अनुयायियों के लिए निर्धारित लक्ष्मणरेखा को पार करने में तनिक भी संकोच नहीं करते।

गौरक्षकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि-गाय के नाम पर मनुष्यों की हत्या स्वीकार्य नहीं है। उनके इस वक्तव्य के कुछ ही घंटे बाद, इसी मुद्दे पर एक मुसलमान को मौत की घाट उतार दिया गया। इसी तर्ज पर, प्रधानमंत्री ने क्रिसमस की पूर्वसंध्या पर कहा कि 'प्रेम, सौहार्द्र और भाईचारा, ईसा मसीह के शिक्षाओं का केन्द्रीय तत्व हैं'। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे इन मूल्यों को मजबूती दें। इसके कुछ ही दिन बाद, बजरंग दल के सदस्यों और हिन्दू धर्म के अन्य स्व-नियुक्त ठेकेदारों ने अहमदाबाद में सांता क्लॉज के भेष में उपहार बांट रहे एक व्यक्ति पर हमला किया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दिखाया गया है कि अहमदाबाद के कांकरिया कार्निवल में सांता क्लॉज की वेशभूषा पहने दो लोगों की गुंडों ने जबरदस्त पिटाई की. यह शायद पहली बार है कि सांता क्लॉज का

भेष धरे लोगों पर हमले हो रहे हैं। इसके पहले कैरोल गायकों पर हमले हो चुके हैं। भाजपा के सत्ता में आने के बाद से राष्ट्रपति भवन में कैरोल गायन की परंपरा बंद कर दी गई है। बजरंग दल हिन्दुओं को क्रिसमस पार्टियों में भाग न लेने की चेतावनियां जारी कर चुका है। इस बार क्रिसमस पर ये सब हरकतें कुछ कम क्यों हुई?

हाल में हमने हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजने के अभियान का आगाज भी देखा है, जो बाबरी मस्जिद को ढहाए जाने की याद दिलाता है। इस तरह के काल्पनिक दावों के ज्वार के बाद आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भी कहा कि- हमें हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने के प्रयास बंद करने चाहिए। यह सचमुच आश्चर्यजनक है कि काशी में फव्वारे-जैसे एक ढांचे को शिवलिंग बताया जा रहा है और मस्जिद को मंदिर में बदलने की मांग हो रही है। उत्तरप्रदेश के संभल में ऐसे ही दावों के बाद हिंसा हो चुकी है। शायद इस सबने देश की सबसे बड़ी राजनैतिक संस्था के शीर्ष नेता को झकझोर दिया है या फिर शायद उन्हें यह लग रहा है कि इससे संघ परिवार की छवि खराब होगी। इसलिए उन्होंने एक ऐसा आह्वान किया जो समझदारीपूर्ण लगता है। उन्होंने कहा कि- 'अयोध्या के राममंदिर का सम्बन्ध आस्था से था और हिन्दू इस मंदिर का निर्माण चाहते थे. मगर सिर्फनफरत के कारण नए स्थानों के बारे में विवाद खड़े करना अस्वीकार्य है'। उन्होंने यह भी जोड़ा कि 'कुछ लोग समझते हैं कि नए विवाद खड़े कर वे हिन्दुओं के नेता बन सकते हैं। इसकी इजाजत कैसे दी जा सकती है।

इसके बाद एक चमत्कार हुआ। हिंदुत्व की राजनीति से जुड़े कई संगठनों ने भागवत की इस समझाईश का विरोध किया। हम सब जानते हैं कि आरएसएस में सख्त अनुशासन होता है और उसके सदस्य कभी अपने शीर्ष नेता के आदेशों का उल्लंघन नहीं करते तो फिर यह कैसे हो रहा है कि दर्जनों सेनाएं और धर्म संसदें भागवत की अपील के खिलाफ बात और काम कर रही हैं?

इससे भी बड़ी बात यह है कि आरएसएस के अनाधिकारिक मुखपत्र 'आगेर्नाइजर' ने भी अतिवादियों की मांग का समर्थन करते हुए लिखा कि, 'मंदिरों की पुनर्स्थापना, हमारी पहचान की खोज है'। (द टाइम्स ऑफ इंडिया, दिसम्बर 27, 2024). उसने यह भी लिखा कि मंदिरों की पुनर्स्थापना का उद्देश्य हमारी राष्ट्रीय पहचान स्थापित करना और सभ्यतागत न्याय हासिल करना है।

क्या नफरत सचमुच इतनी गहरी है कि अनुयायी अपने नेताओं की बात भी नहीं सुन रहे हैं? या क्या नरेन्द्र मोदी जैसे नेता चाहते हैं कि नफरत भड़काने वाली हरकतें होती रहें क्योंकि इनसे उनकी राजनीति को मजबूती मिलती है? अगर ऐसा नहीं है तो हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या कारण है कि कानून और व्यवस्था बनाये रखने वाली मशीनरी से लेकर कुछ हद तक न्यायपालिका तक का उन तत्वों के प्रति नर्म रुख है जो नफरत फैलाते हैं और हिंसा करते हैं?

बाबरी मस्जिद को जमीदोज करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। गाय और गौमांस के नाम पर लिंचिंग करने वाले खुले घूम रहे हैं। लव-जिहाद के नाम पर हत्याएं और हमले करने वालों का बाल भी बांका नहीं हुआ है। जाहिर है कि ऐसे तत्वों को यह पता है कि वे आसानी से कानून तोड़ सकते हैं। वे जानते हैं कि कानून को तोड़मरोड़ कर उनका बचाव किया जाएगा।

'आगेर्नाइजर' द्वारा भागवत का विरोध मन में एक जिज्ञासा पैदा करता है। क्या आरएसएस विभाजित हो गया है? यह कैसे हो रहा है कि भागवत शांति और सौहार्द्र की बात कर रहे हैं और 'आगेर्नाइजर' के कर्ताधर्ता चाहते हैं कि नफरत और हिंसा की राह पर तेजी से आगे बढ़ा जाए?

एक और पहलू को समझने की जरूरत है। जब इस तरह की सोच को राजनैतिक लाभ के लिए बढ़ावा दिया जाता है और इससे चुनावों में फायदा होता है तो शुरूआत में तो नेताओं को खुशी होती है।

मगर फिर, जो बीज नेताओं ने बोये होते हैं, उनसे कई नए तत्व ऊग आते हैं और जैसा कि भागवत ने कहा, उनमें से कुछ राजनैतिक पद और प्रभाव हासिल करने की जद्दोजहद में जुट जाते हैं। हम सबको याद है कि जिस समय बाबरी मस्जिद गिराई जा रही थी, वरिष्ठ आरएसएस नेता के. सुदर्शन, जो आगे चल कर आरएसएस के मुखिया बने, मंच पर थे। इस अपराध की किसी को कोई सजा नहीं मिली। बाबरी मस्जिद के ढहाने वालों को निरपराध घोषित कर दिया गया और यह फैसला देने वाले जज को रिटायरमेंट के बाद एक महत्वपूर्ण पद मिला।

एक पुरानी कहावत है कि 'जैसे बोओगे, वैसा काटोगे।' बाबरी मस्जिद की पूरी कथा से यह साफ है कि मंदिरों को तोड़ने के झूठे नैरेटिव फैलाने के अलावा, मुसलमानों के बारे में अनेक मिथक भी फैलाए गए, नतीजा हम सबके सामने है। आरएसएस के मुखिया की बात अब उनके ही समर्थक और अनुयायी सुनने को तैयार नहीं हैं। इसके अलावा, ईसाईयों के बारे में भी दर्शकों से यह प्रचार किया जा रहा है कि वे जोर-जबरदस्ती, धोखेबाजी और लोभ-लालच के जरिये धर्मपरिवर्तन करवा रहे हैं।

मोदी, भागवत और उनके जैसे अन्यों को यह समझ में आ रहा होगा कि जिन्न को बोतल से निकलना आसान है। उसे फिर से बोतल में बंद करना मुश्किल है।

तब कोई नक्सलवाद नहीं बचेगा

- अरविन्द मोहन

अगर हम सरकार और नक्सलियों की ताकत पर नजर डालें तो यह कोई लड़ाई ही नहीं होनी चाहिए और ऐसा मुकाबला होने का दौर कब का समाप्त हों जाना चाहिए था। लेकिन बस्तर ही नहीं. देश के काफी सारे इलाकों में नक्सलियों की मौजूदगी और नेपाल से लेकर महाराष्ट्र तक के जंगल जैसे इलाकों(दंडकारण्य) को लेकर एक रेड कारीडोर बनाने का सपना पूरा करने की जिद अगर अभी भी जारी है।

आम तौर से खबरों से दूर रहने वाले छत्तीसगढ़ से आजकल दो तरह की खबरें आ रही हैं जो राष्ट्रव्यापी चर्चा में दिल्ली और बिहार की चुनावी चकल्लस वाली खबरों पर भारी पड़ रही हैं। युवा और जुनूनी पत्रकार मुकेश चंद्राकर की सरकारी दुलारे ठेकेदार सुरेश चंद्राकर और उसके लोगों द्वारा हत्या कराने का मामला अगर सबको झकझोर रहा है और शासन(जिसके समर्थन के बगैर सुरेश न तो इतना बड़ा बनाता और न ऐसा दुस्साहस करता) को भी सक्रिय होने के लिए मजबूर कर रहा है, तो बस्तर में छिड़ी सुरक्षा बलों और नक्सलियों की लड़ाई ने दर्जनों जानें ले ली हैं। अब नक्सलियों की तरफ से तो जवाबी कार्रवाई होने पर ही उनकी तैयारी और मंशा की खबर आती है लेकिन शासन की तरफ से केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश सरकार के काफी सारे लोग तथा नेता इस बार की लड़ाई में नक्सलवाद की सफाई का संकल्प दोहरा चुके हैं। बीजापुर में बारूदी सुरंगों में विस्फोट कराके नक्सलियों ने स्थानीय स्तर पर तैयार दो बालों के आठ लोगों को मार दिया तब अमित शाह ने कहा हम बस्तर से नक्सलवाद समाप्त करके रहेंगे। कुछ समय पहले उन्होंने कहा था कि हम 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद मिटा देंगे। बस्तर में भी अबूझमाद के एक हिस्से को छोड़कर बाकी सभी जगह नकसलियों से जुड़ा सर्वे चल रहा है और अभी के जारी टकराव में सुरक्षा बालों ने नक्सलियों का काफी नुकसान किया था। रविवार को ही तीन दिन की भिड़ंत के बाद पांच नक्सली मारे गए थे जबकि सुरक्षा बालों का एक जवान भी शहीद हुआ था। सोमवार की बीजापुर की घटना उसका जवाब थी। गृह मंत्री के संकल्प को ठीक और जरूरी मानना चाहिए क्योंकि देश के अंदर किसी भी गैर सरकारी संगठन या व्यक्ति की हैसियत कानून और संविधान से ऊपर नहीं हो सकती। और जिस ताकत की भी जरूरत हो शासन को उसका इस्तेमाल करके ऐसी गैर संवैधानिक सत्ता को समाप्त करना चाहिए। अमित शाह लंबे समय से सरकार में हैं और उनके कार्यकाल तथा भाजपा के कुल कार्यकाल को देखें तो इस मामले में उनकी उपलब्धियां और दावों में अंतर दिखेगा। पिछले साल से बस्तर में निश्चित रूप से सरकारी प्रयास बढ़े हैं। स्थानीय लोगों को लेकर फौज बनाना और उनको सामने करके एक्शन लेना अभी तक प्रभावी रहा है और पिछले साल में 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। दूसरी ओर सुरक्षा बलों को कम नुकसान हुआ है(92 जवान मारे गए हैं) तो सिविलियन कैजुआल्टी (241 मौत) बढ़ी है। इसका बढ़ना बताता है कि नक्सलियों में बौखलाहट बढ़ी है और वे निहत्थे लोगों पर अपना निशाना बना रहे हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि अबूझमाड़ के पास की यह घटना बारूदी सुरंगों में विस्फोट कराके अंजाम दी गई जो नक्सलियों का पुराना तरीका रहा है। अगर हम सरकार और नक्सलियों की ताकत पर नजर डालें तो यह कोई लड़ाई ही नहीं होनी चाहिए और ऐसा मुकाबला होने का दौर कब का समाप्त हों जाना चाहिए था। लेकिन बस्तर ही नहीं. देश के काफी सारे इलाकों में नक्सलियों की मौजूदगी और नेपाल से लेकर महाराष्ट्र तक के जंगल जैसे इलाकों(दंडकारण्य) को लेकर एक रेड कारीडोर बनाने का सपना पूरा करने की जिद अगर अभी भी जारी है तो इसके पीछे नक्सलवाद का राजनैतिक दर्शन जितना बड़ा कारण नहीं है उससे बड़ा कारण इन इलाकों का पिछड़ा होना है।

बेरोजगारी बहुत है और आर्थिक पिछड़ापन जीवन को नरक बनाता है। फिर अगर सरकार फौज बनाती है तब और नक्सली फौज बनाते हैं तो नौजवानों की कमी नहीं रहती। मरने वाले दोनों तरफ के लोग यही बनाते हैं। सरकार की राष्ट्रभक्ति के पाठ में भी दम होता है तो नक्सली वर्ग संघर्ष और क्रांति के सपने का भी अपना नशा होता है और फिर हाथ में हथियार हो और चलाने की आजादी हो तो खुद को बादशाह समझना आसान बन जाता है। इस आधार पर इसे सिर्फ लॉ एंड आर्डर की समस्या मानना भी गलत होगा और मौजूदा नीति का यह दोष है कि इसमें डायलाग वाली जगह रखी ही नहीं गई है।

ग्यारह साल के मोदी राज या उससे पहले के मनमोहन राज को देखें तो देश में नक्सली समस्या काफी काम हुई है। झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, ऑडिशा, बंगाल, आंध्र के ज्यादातर नक्सली इलाके आज शांत हो चुके हैं। बस्तर छोड़कर कहीं-कहीं उनका असर है। और यह समेटना सरकारी प्रयास के साथ संवाद या चुनावी लोकतंत्र में बढ़ती आस्था के साथ जुड़ा है। जब समस्याओं का निपटारा शांतिपूर्ण ढंग से हो जाए तो जान जोखिम में डालने की जरूरत नहीं लगती। दूसरी ओर नेपाल के प्रचंड से लेकर देश के नक्सली नेताओं का आचरण भी ऐसा हुआ है कि सामान्य बुद्धि वाले नौजवान को झूठा स्वर्ग दिखाना संभव नहीं रहा है। नक्सल आंदोलन की अपनी कमजोरियां भी साफ दिखी हैं। हिंसा के अलावा बहुत कुछ ऐसा है जिसे समझना किसी नौजवान के लिए संभव है-जैसे बड़े व्यावसायिक घरानों से याराना और पैसा वसूली। कहीं भी आधुनिक पूंजीवादी व्यवस्था पर चोट न करके पुराने सत्ता प्रतीकों(जिसमें बड़ी जाति और जमींदारी शामिल है) को निशाना बनाना सवाल पैदा करता है कि गरीबी, बदहाली, पिछड़ेपन और अशिक्षा के लिए आज मुख्य दोषी कौन है। तब बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां और सरकारों में बैठे उनके एजेंट ज्यादा दोषी दिखेंगे। कायदे से सैनिक कार्रवाई या सख्ती के साथ शिक्षा और संवाद का कार्यक्रम भी चलना चाहिए, भटके नौजवानों की वापसी और पुनर्वास का काम भी होना चाहिए। यह याद रखना होगा कि नक्सली नेताओं में सिफ प्रचंड जैसे लोग ही नहीं हुए हैं(जो सत्ता पाते ही बदल जाएं) बल्कि त्याग तपस्या वाले भी है। वे वैचारिक रूप से भटके हो सकते हैं, हिंसा के सहारे राजनैतिक-सामाजिक बदलाव का भ्रम पाले हो सकते हैं पर उनका निजी आचरण और जीवन काफी लोगों को प्रेरक भी लगा सकता है और सबसे बढ़ाकर जिन स्थितियों में नक्सलवाद जन्म लेता और पनपता है, जमीन बनाता है उसको भी समाप्त करना लक्ष्य होना चाहिए। आजादी के पचहत्तर साल बाद भी बस्तर, पलामू, कालाहांडी और गढ़चिरौली जैसे पिछड़े ठिकाने होना देश के कथित विकास और भारत के विश्व शक्ति बन जाने का मुंह ही चिढ़ाते हैं।

उन पर शर्म करना भी हमें और गृह मंत्री को सीखना होगा। जैसे ही इन सब मोर्चों पर फौजी मुहिम जैसी तत्परता दिखेगी, कोई नक्सलवाद नहीं बचेगा।

चित्रकूट के विकास को मिलेगी नई दिशा : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

अयोध्या की तर्ज पर विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट धाम व सतना जिले के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई व नई योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्मैं यहां सतना जिले और चित्रकूट धाम के विकास के उद्देश्य से आया हूं। हमने विकास कार्यों को लेकर बैठक की है और हर व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे, इस पर गहन चर्चा की गई है। मुझे विश्वास है कि हमारा चित्रकूट धाम भी अयोध्या की तरह विकसित होगा और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। हम प्रार्थना करते हैं कि यह महाकुंभ अपने उद्देश्य को सफलतापूर्वक प्राप्त करे। यहां की व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं।ह्म मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कहा कि चित्रकूट धाम एक ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी है, जिसे समृद्ध सांस्कृतिक पहचान देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत करती राज्य मंत्री प्रतिमा

चित्रकूट को अयोध्या जैसी पहचान दिलाने का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य चित्रकूट को एक प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है। कहा कि चित्रकूट धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें व स्थानीय जनता को रोजगार के अधिक अवसर मिले।

राज्यमंत्री ने किया मुख्यमंत्री का स्वागत

राज्य मंत्री प्रतिमा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया व बैठक में सक्रिय सहभागिता की। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की व कहा कि चित्रकूट धाम के समग्र विकास के लिए सरकार पूरी तरह से प्रयासरत है। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें सड़क निर्माण, पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण, जल प्रबंधन व स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के उपाय शामिल हैं। अधिकारियों को इन कार्यों की प्रगति में तेजी लाने व समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए।

गौशाला में गायों को गुड़ खिलाते हुए

भिंडौरा की गौशाला में सवा कुंतल गुड़ का लगा भोग

- निराश्रितों बेजुबानों की सेवा करना सबसे पुनीत कार्य डा. अनिल शर्मा

अखंड भारत संदेश

बांदा। तिंदवारी विकास खंड के ग्राम पंचायत भिंडौरा में मंगलवार को मकर संक्रांति के अवसर पर ग्राम पंचायत भिंडौरा के समाजसेवी गौलाल तिवारी पुत्र गणेश भूषण तिवारी के द्वारा सवा कुंतल गुड का भोग लगाकर गौवंशो को गुड खिलाया गया इस अवसर पर ग्राम विकास फाउंडेशन के अध्यक्ष डा अनिल कुमार शर्मा ने कहा आज के दिन निराश्रित गौवंशों को गुड और खिचड़ी खिलाना बहुत पुनीत का कार्य है। इसी क्रम में गौलाल तिवारी ने कहा कि मैं अपने जीते जी यह सेवा अनवरत करता रहूंगा इस सेवा से मुझे बहुत खुशी मिलती है इस कार्यक्रम में जीतू सिंह राठौर का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम में अनूप सिंह, रमेश, नरेंद्र राजकुमार शर्मा, आदि का विशेष योगदान रहा।

न्यूज झरोखा

बाइक समेत मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश में अपराध नियंत्रण को चलाए जा रहे विशेष अभियान में गल्ला मंडी चौकी पुलिस टीम ने 24 घंटे में मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए चोर को गिरफ्तार किया। एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी एवं सीओ राज कमल के पर्यवेक्षण में व थाना प्रभारी उपेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी गल्ला मंडी समिति श्यामदेव सिंह टीम ने यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर आरोपी राकेश पुत्र बउआ निवासी नई दुनिया कर्वी चित्रकूट को चोरी की गई मोटरसाइकिल (यूपी 96 सी 4389 टीवीएस) के साथ गिरफ्तार किया गया। घटना की जानकारी 13 जनवरी को वादी रामू गुप्ता पुत्र भुल्लू गुप्ता निवासी माधवगंज मोड़ शंकर बाजार कर्वी ने कोतवाली कर्वी में दी थी। वादी ने बताया कि मोटरसाइकिल रात करीब एक बजे दुकान के सामने से चोरी हुई थी व घटना का वीडियो दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया था। सूचना पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर आज 14 जनवरी को पुलिस ने गल्ला मंडी क्षेत्र से चोरी की मोटरसाइकिल समेत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी में चैकी प्रभारी श्यामदेव सिंह के साथ सिपाही शिव पूजन यादव व मंगल कुमार मौजूद रहे।

पुलिस द्वारा महाकुम्भ जाने वाले श्रद्धालुओं व आमजन को खिचड़ी प्रसाद किया वितरण

बाँदा। आज पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मकर संक्रांति का पर्व मनाया जा रहा है । इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में बांदा पुलिस द्वारा पुलिस लाइन गेट के पास महाकुम्भ स्नान हेतु प्रयागराज व चित्रकूट जाने वाले श्रद्धालुओं/तीर्थयात्रियों सहित आमजन को खिचड़ी प्रसाद वितरण कर मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दी ।

कोतवाली कर्वी पुलिस व एसओजी की बड़ी कार्रवाई, सात जुआरीं रंगे हाथ गिरफ्तार

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश में कोतवाली कर्वी पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने जुआ खेलने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी उपेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में चैकी प्रभारी गल्ला मंडी समिति दरोगा श्यामदेव सिंह टीम ने गुप्त सूचना पर छापेमारी करते हुए सात जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपियों में बुद्ध विलास पटेल (सोनपुर), चंद्रेश वर्मा (बड़ी कोतवाली कर्वी), जितेंद्र शुक्ला (गाना भरतपुरी कर्वी), अविनाश गुप्ता (गाना भरतपुरी कर्वी), प्रेम सिंह यादव (गरबा), राजापाल (बनाड़ी), व अजय पटेल (सोनपुर) हैं। आरोपियों को ताश के पत्तों में हार-जीत की बाजी लगाते हुए गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपीगणों से 5100 रुपये का मालफड़ व 52 ताश के पत्ते बरामद किए। साथ ही जामा तलाशी से 710 रुपये और मिले। सभी आरोपियों के खिलाफ कोतवाली कर्वी में उचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारी व बरामदगी में कोतवाली कर्वी पुलिस एवं एसओजी टीम की अहम भूमिका रही, जिनमें चैकी प्रभारी दरोगा श्यामदेव सिंह, सिपाही कुलदीप द्विवेदी, राहुल देव, ज्ञानेश मिश्रा व रोशन शामिल थे।

चित्रकूट धाम मंडल के अधिकारियों ने जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया

चित्रकूट। चित्रकूट धाम मंडल के प्रशासनिक अधिकारियों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए रामघाट पर ठंड से राहत पाने को जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। मंडलायुक्त अजीत कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र बांदा अजय कुमार सिंह, डीएम शिवशरणप्पा व एसपी अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में वितरण कार्य संपन्न हुआ। मंडलायुक्त अजीत कुमार ने इस मौके पर कहा कि जिले में सर्दी से बचाव के लिए अलाव जलाने के प्रयास लगातार जारी रखने की आवश्यकता है। अधिकारियों से कहा कि जहां भी ठंड से प्रभावित लोग दिखाई दें, वहां कंबल वितरित कर उनकी मदद की जाए। निर्देश दिए कि चिन्हित स्थलों पर अलाव जलाए जाएं जिससे जरूरतमंदों को गर्मी मिल सके। कंबल वितरण कार्यक्रम में उप जिला अधिकारी कर्वी सुश्री पूजा साहू, तहसीलदार व नायब तहसीलदार मौजूद उपस्थित रहे।

मेले की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे पुलिस अधिकारी

- चाइनीज मांझे के प्रयोग पर सख्ती
- उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता बनाए रखने, समय पर ड्यूटी पर मौजूद रहने व श्रद्धालुओं से विनम्रता पूर्वक व्यवहार करने के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र अजय कुमार सिंह ने मकर संक्रांति एवं महाकुंभ मेले को सकुशल सम्पन्न कराने को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह तथा अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी के साथ कर्वी रेलवे स्टेशन, भरतकूप मंदिर, परिक्रमा मार्ग एवं रामघाट का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता बनाए रखने, समय पर ड्यूटी पर मौजूद रहने व श्रद्धालुओं से विनम्रता पूर्वक व्यवहार करने के निर्देश दिए। भीड़ में विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही, एएसपी ने रामघाट, तुलसीघाट, निमोहीं अखाड़ा, टैम्पो स्टैंड सीतापुर, यूपीटी तिराहा एवं बेड़ी पुलिया सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर भ्रमण कर पुलिस कर्मियों की तैनाती का निरीक्षण किया वं सतर्कता पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच रामघाट चौकी क्षेत्र में चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाने की घटनाओं को रोकने के लिए दारोगा उत्कर्ष सिंह एवं आरक्षियों ने पतंग उड़ाते बालकों को इसके खतरों के प्रति जागरूक किया व चाइनीज मांझा न इस्तेमाल करने की हिदायत दी गई। मेले में पुलिस प्रशासन की सक्रियता से श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्वक स्नान व पूजन किया।

मौके पर जायजा लेते डीआईजी व एसपी

गरीबों को ठंड से बचाने के लिए आगे आये पूर्व मंत्री

पूर्व मंत्री ने एक सैकड़ा जरूरतमंदों को बांटे कंबल

अखंड भारत संदेश

बांदा। जनपद में विकास के गंगा बहाने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के मकर संक्रांति के मौके पर अपने आवास से लगभग एक सैकड़ा गरीब एवं असहाय लोगों को कंबलों को वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं बांदा का बेटा हूं। आज मैं जो कुछ भी हूं वो यहां के लोगों को मुझपर एहसान हैं। हर जरूरतमंद की मदद करना मेरी पहली प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने लगभग एक सैकड़ा की संख्या में मौजूद लोगों को कंबलों का वितरण किया। कंबल पर जरूरतमंदों खुशी का ठिकाना नही रहा।

बताते चलें कि लगातार पड़ रही भीषण ठंड से जहां जीवन अस्त-व्यस्त हो गया हैं। वहीं गरीब और जरूरतमंदों की मदद की लिए समाजसेवी और जनप्रतिनिधि लगातार आगे आते जा रहे हैं। इसी कड़ी मंगलवार को मकर संक्रांति के मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने अपने अलीगंज स्थित आवास से लगभग एक सैकड़ा गरीब एवं असहायों को कंबलों को वितरण किया। कंबल पाकर जरूरतमंद खुशी से चहक उठे। इस मौके पर कांग्रेस नेता मुमताज अली, सफदर अली, महिला कांग्रेस नेत्री सीमा खान, पूर्व सभासद शब्बीर खान जुगनू, शाकिर मंसूर बोड़ा, नफीस गावस्कर आदि मौजूद रहे।

भीषण ठण्ड में जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी

मऊ का ऐतिहासिक खिचड़ी मेला : आस्था, परंपरा व व्यापार का संगम

अखंड भारत संदेश

मऊ (चित्रकूट)। नगर पंचायत मऊ के मां कालिंदी के तट में हर साल मकर संक्रांति पर लगने वाला खिचड़ी मेला बहुत खास होता है। आस्था, परंपरा और संस्कृति के इस संगम को देखने के लिए हजारों की तादाद में लोग यमुना किनारे स्थित कोठियार घाट पर इकट्ठा होते हैं। लोग इस मेले में खिचड़ी चढ़ा कर वर्षों से चली आ रही मान्यता को जीवंत बनाए रखने के लिए अपना निरंतर योगदान देते हैं। मेले में जलेबी गुड़ की जलेबी तैयार करने वाले मुकेश बताते हैं कि मेला में वो विगत कई वर्षों से आ रहें हैं। मेले की कब शुरूआत हुई इस पर कोई ठीक जानकारी बता पाना लगभग मुश्किल है। मेले में पारम्परिक रूप से तैयार वस्तुओं की खरीददारी करने अपने मित्रों के साथ पहुंचे युवा अंकित त्यौंथा बताते हैं कि मेले का इतिहास बहुत पुराना है मेला ठीक इसी जगह पर कई सौ वर्षों से लगातार लग रहा है जहां दूर दराज से लोग पुण्य कमाने आते हैं।

नगर पंचायत मऊ के शिवपुर के यमुना किनारे कोठियार घाट पर लगने वाला ये खिचड़ी का मेला व्यापारिक गतिविधियों का भी क्षेत्रीय केंद्र है। यहां आने वाले श्रद्धालु मेले में लगने वाली दुकानों पर स्थानीय गुड़ की बनी खास जलेबी, लाठी, और घरेलू उत्पादों की खरीदारी करते हैं। इसके अलावा यहां लगने वाले खाने-पीने के स्टॉल भी लोगों को लुभाते हैं।

मकर संक्रांति पर लगने वाले खिचड़ी मेले में उमड़ी लोगों की भारी भीड़

खिचड़ी का धार्मिक महत्व

मकर संक्रांति के अवसर पर कोठियार घाट पर खिचड़ी चढ़ाने की परंपरा का विशेष महत्व है। इसे समर्पण, परोपकार और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने के प्रतीक के तौर पर माना जाता है। लोग पवित्र यमुना नदी में स्नान करने के बाद खिचड़ी को प्रसाद के तौर पर चढ़ाते हैं।

समाजवादी पार्टी के यूथ बिग्रेड के प्रदेश सचिव अजय राज त्रिपाठी ने सरकार से अनुरोध किया है कि मेले को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए सरकार द्वारा विशेष संरक्षण की आवश्यकता है। ताकि मेले को क्षेत्रीय स्तर से प्रदेश स्तरीय पहचान दिलाई जा सके।

संक्रांति के शुभ अवसर पर गौशाला में गौ माता के लिए खिचड़ी भोग का आयोजन

अखंड भारत संदेश

बांदा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक सप्ताह तक जिले में संचालित प्रत्येक गौशाला में खिचड़ी भोग का आयोजन किया जाएगा आज मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर बड़ोखर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत जारी में संचालित अस्थाई गौशाला में सभी गौ माता के लिए खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया तथा गो माता को गुड खिलाकर गोपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा वहां पर उपस्थित सभी कर्मचारियों को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया विश्व हिंदू महासंघ गोरक्षण समिति के जिला अध्यक्ष महेश कुमार प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम एक सप्ताह तक प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर आयोजित किया जाएगा इस कार्यक्रम के माध्यम से आम जनमानस को जागरूक किया जा रहा है कि आप सभी व्यर्थ के रूप में अन्य आयोजन में फालतू पैसा खर्च करते हैं लेकिन वही पैसा आप गौ माता सेवा में खर्च करें जिससे गौ माता को भूख से बचाया जा सके।

इसी कड़ी में ग्राम पंचायत बड़ोखर खुर्द मैं भी खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया इसी कड़ी में जसपुरा ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंधन कला में खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया इस मौके में उपस्थित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गौशाला संचालक बुद्ध जिला महामंत्री राकेश कुमार त्रिपाठी जिला उपाध्यक्ष महेश कुमार तहसील उपाध्यक्ष संदीप सेन बड़ोखर ब्लॉक अध्यक्ष सत्यम मिश्रा एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर गौ माता को खिचड़ी खिलाते हुए

अपर जिला मजिस्ट्रेट ने पर्वों व परीक्षाओं में शांति बनाए रखने के दिये कड़े निर्देश

चित्रकूट। अपर जिला मजिस्ट्रेट उमेश चन्द्र निगम ने आगामी धार्मिक पर्वों, मेलों और बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर जनपद चित्रकूट में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने को सख्त निर्देश जारी किए हैं। निदेशों में उन्होंने विभिन्न प्रतिबंधों को लागू किया है, ताकि असामाजिक, आतंकवादी व अराजक तत्वों द्वारा किसी प्रकार की अशांति न फैलाई जा सके।

बताया कि हिन्दू पंचांग के अनुसार इस वर्ष 13 जनवरी से महाकुम्भ-2025 की शुरूआत हो रही है, जो 26 फरवरी 2025 तक चलेगा। इसके अलावा, 13 जनवरी को पौष मास की पूर्णिमा, 14 जनवरी को मकर संक्रान्ति, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 29 जनवरी को माघी मौनी अमावस्या, 3 फरवरी को बसन्त पंचमी और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर भी पड़ रहे हैं। इन दिनों में विशेष रूप से प्रयागराज संगम व चित्रकूट में श्रद्धालुओं का भारी आवागमन होने की संभावना है, इसके मद्देनजर प्रशासन ने सतर्कता बरतने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। आगे बताया कि इन धार्मिक आयोजनों व मेलों में शाही स्नान के अवसर पर मकर संक्रान्ति, माघी मौनी अमावस्या व बसन्त पंचमी में भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर अराजक तत्वों पर नजर रखी जाएगी। साथ ही, आगामी दो महीने में होने वाली हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं में सुरक्षा व्यवस्था के आदेश जारी किए हैं।

आदेश के तहत, किसी भी व्यक्ति को बिना अनुमति के 5 से अधिक व्यक्तियों का समूह बनाने, जुलूस निकालने या शस्त्रों का प्रयोग करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। धार्मिक उत्सवों, विवाह आयोजनों व शव यात्राओं को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। इसके अलावा, रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक लाउडस्पीकर व ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। किसी भी धार्मिक उन्माद या तनावपूर्ण भाषणों का विरोध किया जाएगा व ऐसे बयानों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार के असामाजिक और उपद्रवी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आदेश तत्काल प्रभाव से जनपद चित्रकूट की सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में लागू होगा व इसके पालन को सुनिश्चित करने को संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। किसी भी व्यक्ति को आदेश से संबंधित किसी प्रकार की राहत या छूट चाहिए तो संबंधित उप जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन कर सकता है। आदेश 12 जनवरी 2025 को अपर जिला मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर के साथ जारी किया गया है।

कैपिटल हिल दंगा मामले में ट्रंप को ठहराया जाता दोषी लेकिन...

विशेष अभियोजक की रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

वाशिंगटन। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें शपथ ग्रहण समारोह से पहले बढ़ती ही जा रही हैं। विशेष वकील जैक स्मिथ ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दावा किया अगर डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं चुने जाते तो उन्हें 2020 के चुनाव में गड़बड़ी के मामले में दोषी ठहराया जाता।

अमेरिकी कानून कहता है कि मौजूदा राष्ट्रपति पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। नीति के अनुसार, नवंबर 2024 में स्मिथ ने ट्रंप के खिलाफ चल रहे दो मामलों को खारिज करने के लिए आवेदन किया था। इनमें से एक मामला चुनाव में गड़बड़ी का था, जबकि दूसरा मामला ट्रंप द्वारा पद छोड़ने के बाद अवैध रूप से गोपनीय दस्तावेज रखने से जुड़ा था।

बता दें ट्रंप को हश मनी केस में दोषी ठहराया गया था हालांकि शुक्रवार (10 जनवरी) को जज ने उन्हें कोई सजा नहीं सुनाई और न ही जुमार्ना लगाया। इस तरह व्हाइट पहुंचने वाले वह ऐसे पहले राष्ट्रपति बन गए दो किसी मामले में दोषी ठहराए गए।

चुनाव में गड़बड़ी का मामला 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को अवैध रूप से पलटने की ट्रंप की नाकाम कोशिश से जुड़ा है। चुनाव में निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जीत हासिल की थी।

6 जनवरी, 2021 को, जब सीनेट चुनाव परिणाम को प्रमाणित करने के लिए बैठक कर रही थी, तब ट्रंप के हजारों समर्थकों ने यूएस कैपिटल पर हमला कर दिया। उन्हें ऐसा करने के लिए ट्रंप ने ही उकसाया था।

आक्रोशित समर्थकों ने सर्टिफिकेशन को हाईजैक करने और सीनेटरों को ट्रंप के पक्ष में चुनाव को प्रमाणित करने के लिए मजबूर करने के इरादे से कैपिटल पर धावा बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में स्मिथ ने कहा कि ट्रंप को मुकदमे में दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत थे, लेकिन उनके चुनाव की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। स्मिथ ने कहा कि ट्रंप को दोषी नहीं ठहराया जाने का एकमात्र कारण उनका राष्ट्रपति के रूप के चुना जाना है क्योंकि प्रेसिडेंट के अभियोजन पर संवैधानिक प्रतिबंध लगा है।

स्मिथ ने कहा कि जब यह साफ हो गया कि ट्रंप 2020 में चुनाव हार गए थे और 'चुनाव परिणामों को चुनौती देने के वैध साधन नाकाम हो गए थे, तो उन्होंने सत्ता बनाए रखने के लिए कई आपराधिक प्रयास किए।'

स्मिथ ने कहा कि ट्रंप ने एक सदी से भी ज्यादा समय में पहली बार सत्ता परिवर्तन को हिंसक बना दिया। उनके मुताबिक, 'जब तक ट्रंप ने इसमें बाधा नहीं डाली, तब तक यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया 130 से अधिक सालों तक शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से चलती रही।'

हालांकि स्मिथ ने अब ट्रंप के खिलाफ मामले वापस ले लिए हैं, लेकिन उन्होंने 2029 में रिपब्लिकन लीडर के पद छोड़ने के बाद उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की संभावना को खुला छोड़ दिया है।

इजरायल और हमास गाजा में युद्धविराम समझौते के करीब, क्या ट्रंप की धमकी कर गई काम?

दोहा। इजरायल और हमास गाजा में युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौता वार्ता के अंतिम चरण में है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वातार्कार मंगलवार को दोहा में मिलेंगे और गाजा में युद्ध को समाप्त करने की योजना के विवरण को अंतिम रूप देंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मध्यस्थों ने सोमवार को इजरायल और हमास को समझौते का अंतिम मसौदा सौंप दिया। यह जानकारी मध्य रात्रि में हुई वार्ता में मिली 'सफलता' के बाद दी गई।

वार्ता में निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति और नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों ने भाग लिया।

ट्रंप के 20 जनवरी के शपथ ग्रहण को अब व्यापक रूप से युद्ध विराम समझौते के लिए वास्तविक समय सीमा के रूप में देखा जा रहा है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा था कि अगर उनके पदभार ग्रहण करने से पहले हमास ने बंधकों को मुक्त नहीं किया तो उन्हें 'बहुत अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।'

बाइडेन ने सोमवार को अपनी विदेश नीति की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, "यह समझौता...बंधकों को मुक्त करेगा, लड़ाई को रोकेगा, इजरायल को सुरक्षा प्रदान करेगा और फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता बढ़ाने की अनुमति देगा, जिन्होंने युद्ध में बहुत कष्ट झेले हैं, जो हमास ने शुरू किया था।"

यह सीजफायर डील अगर कामयाब रही, तो एक वर्ष से अधिक समय तक चलने वाली वाताओं का खात्म हो जाएगा। इसके जरिए संघर्ष के शुरूआती दिनों के बाद से इजरायली बंधकों की सबसे बड़ी रिहाई होगी, जब हमास ने इजरायल की हिरासत में 240 फिलिस्तीनी बंदियों के बदले में लगभग आधे बंधकों को रिहा कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में वार्ता के बारे में जानकारी रखने वाले अधिकारी के हवाले से कहा गया कि युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई का दस्तावेज कतर ने दोहा में वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के सामने पेश किया था।

बाइडेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने सोमवार को कहा, "दोनों पक्ष इस सौदे को फाइनल करने के बिल्कुल करीब हैं।"

हमास ने कहा कि वह लड़ाई को समाप्त करने के लिए एक समझौते तक पहुंचने के लिए उत्सुक है।

एक इजरायली अधिकारी ने कहा कि डील के तहत 33 बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत अंतिम चरण में है। गाजा में अभी भी 98 बंधक हैं।

इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा, "प्रगति हुई है, मैं अपने अमेरिकी मित्रों को बंधक सौदे को सुरक्षित करने के लिए किए जा रहे भारी प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।"

हमास के एक अधिकारी ने कहा, "कुछ प्रमुख मुद्दों पर बातचीत में प्रगति हुई है और जो मुद्दे बचे हैं, उन्हें भी हम शीघ्र ही पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं।"

इजरायल के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 में हमास के लड़ाकों के हमले में इजरायल के 1,200 लोग मारे गए और 250 से अधिक बंधक बनाए गए। इसके बाद यहूदी राष्ट्र ने गाजा में सैन्य ऑपरेशन शुरू कर दिया था।

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, तब से गाजा में 46,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। एन्क्लेव का ज्यादातर हिस्सा बर्बाद हो गया है और अधिकांश आबादी विस्थापित हो गई है।

युद्धरत पक्ष महीनों से इस सिद्धांत पर सहमत हैं कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों और इजरायल द्वारा पकड़े गए फिलिस्तीनी बंदियों की रिहाई के बदले में लड़ाई रोक दी जाएगी।

लेकिन हमास ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि समझौते से युद्ध का स्थायी अंत होना चाहिए और गाजा से इजरायल की वापसी होनी चाहिए, वहीं यहूदी राष्ट्र ने कहा है कि जब तक हमास का खात्मा नहीं हो जाता, तब तक वह युद्ध समाप्त नहीं करेगा।

गाजा में विस्फोट से पांच इजरायली सैनिकों की मौत, आठ घायल

यरूशलम। इजरायल की सेना ने बताया कि गाजा पट्टी के उत्तरी इलाके में एक इमारत में हुए धमाके से पांच सैनिक मारे गए और 8 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस धमाके से इमारत गिर गई, लेकिन इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं है। सेना ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक बयान में सेना ने बताया कि मारे गए सैनिकों में से सभी नहाल ब्रिगेड के रेकॉनेसेन्स बटालियन के थे। इनमें 23 वर्षीय दल के कमांडर भी शामिल थे। घायल हुए 8 सैनिक भी इसी बटालियन के हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद अक्टूबर 2023 से चल रहे युद्ध में मारे गए इजरायली सैनिकों की कुल संख्या 840 हो गई है।

घटना के समय इजरायल और हमास के बीच कतर के दोहा में अप्रत्यक्ष वार्ता चल रही थी, जिसमें 15 महीने से ज्यादा समय से लंबी लड़ाई के बाद संघर्ष विराम समझौता करने की कोशिश की जा रही है। सोमवार को हमास के सशस्त्र विंग, अल-कसम ब्रिगेड्स ने दावा किया कि उन्होंने पिछले 72 घंटों में उत्तरी गाजा पट्टी में 10 से अधिक इजरायली सैनिकों को मार दिया है।

● इजरायल की सेना ने बताया कि गाजा पट्टी के उत्तरी इलाके में एक इमारत में हुए धमाके से पांच सैनिक मारे गए और 8 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए

ब्रिगेड्स के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर कहा, "इजरायली सेना को भारी नुकसान हो रहा है, जिसे वह छिपा रही है। उन्होंने गाजा के उत्तरी हिस्से में केवल तबाही और निर्दोष लोगों के नरसंहार किए हैं।"

इस बीच, इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सा'आर ने कहा कि कतर में चल रही वार्ता में बंधकों को रिहा करने के लिए "प्रगति" हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल बंधकों की रिहाई के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

कैलिफोर्निया में आग जलवायु परिवर्तन के कारण लगी है : एलन

● अमेरिका के उद्यमी एलन मस्क ने संदेह जताया है कि कैलिफोर्निया के जगंलों में लगी भीषण आग जलवायु परिवर्तन के कारण लगी है। उन्होंने इसकी तुलना टेक्सास की स्थिति से की

वाशिंगटन। अमेरिका के उद्यमी एलन मस्क ने संदेह जताया है कि कैलिफोर्निया के जगंलों में लगी भीषण आग जलवायु परिवर्तन के कारण लगी है। उन्होंने इसकी तुलना टेक्सास की स्थिति से की।

मस्क ने एक्स पर कहा अगर जलवायु परिवर्तन का स्पष्टीकरण सही होता, तो टेक्सास का वन क्षेत्र कैलिफोर्निया से दोगुना है। यहां दोगुनी आग होती, जो घरों को नष्ट कर देती। धीरे-धीरे जलवायु परिवर्तन हो रहा है। लास एंजिल्स में आग को फैलने से ना रोक पाना झाड़ियों को साफ करने में विफल रहना और साथ ही पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफलता राज्य काउंटी तथा शहर के स्तर पर कुप्रबंधन है।

लॉस एंजिल्स काउंटी में सात जनवरी को जंगल की आग फैलनी शुरू हुई।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, आग का तेजी से फैलना शुष्क और बहुत तेज हवा वाले मौसम के कारण हुआ। आग ने क्षेत्र में 10 हजार से अधिक इमारतों को नष्ट कर दिया।

एलएसी पर टैंक लेकर पहुंचा चीन, आर्मी चीफ ने भी दिया बड़ा बयान

चीन एलएसी पर तनाव के बाद भारत-चीन पक्ष को लेकर भारत ने कई बार अपने तरफ से बयान दिया है। चीन ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि भारत और चीन के बीच में स्थिति सामान्य की तरफ लौट रहे हैं। लेकिन अब तक भारी भरकम सेना की सीमा पर मौजूदगी खतरे को खत्म नहीं होने दे रही। सैन्य उपस्थिति उस खतरे को लगातार कायम रख रही है जो पिछले चार सालों से गहराता रहा है। इसी लेकर जब भारतीय सेना प्रमुख से भी सवाल पूछा गया तो उन्होंने भी इस बात को स्वीकारा की स्थिति संवेदनशील और स्थिर है। अक्टूबर 2024 के बाद से भारत और चीन ने डिसइंगेजमेंट की ओर बढ़ने की अपनी कोशिशों को और तेज करना शुरू कर दिया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये कि वो भारत और चीन की सेना जो विभिन्न प्लाइंट्स से पीछे तो हट गई हैं। लेकिन अब भी भारी भरकम सेना का वहां मौजूद रहना कई सवालों को खड़ा कर रहा है। इन सब के बीच एलएसी के पास चीन की तरफ से किया गया वो ड्रिल जो कहीं न कहीं सवालों को फिर खड़ा कर रहा है। चीन द्वारा किया गया युद्धाभ्यास और उसके बीच में आया भारतीय सेना प्रमुख का बयान बेहद महत्वपूर्ण है। इस युद्धाभ्यास में ड्रोन, टैंक और आर्मर्ड इन्फेंट्री फाइटिंग व्हीकल को भी उतारा गया।

भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने आगामी सेना दिवस से पहले अपनी वार्षिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि जहां तक गतिरोध का सवाल है, हमें यह देखना होगा।

जापान में 6.9 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी

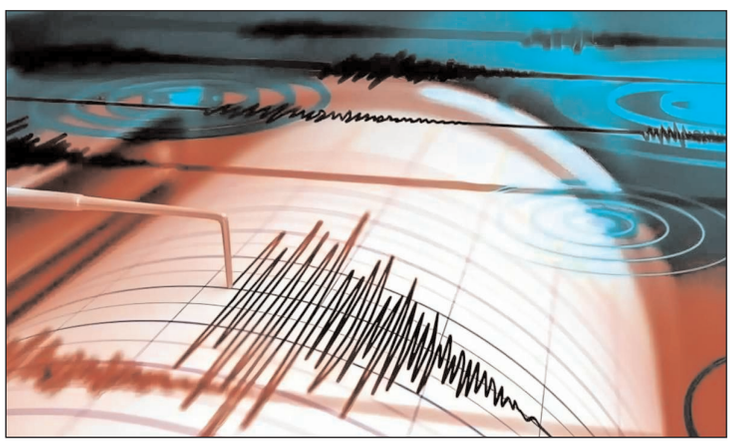

टोक्यो। जापान के दक्षिण पश्चिमी हिस्से में 6.9 तीव्रता का भूकंप आने के बाद सोमवार शाम सुनामी की चेतावनी जारी की गई।

जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि रात 9.19 बजे आए भूकंप की तीव्रता मियाजाकी प्रान्त के कुछ हिस्सों में जापानी भूकंपीय पैमाने 5 से कुछ अधिक मापी गई। जापान के भूकंपीय स्केल में अधिकतम मान 7 है। वहीं अधिकतम 10 मान वाले रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.9 मापी गई।

मौसम एजेंसी ने मियाजाकी और कोची प्रान्तों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है।

जापान टाइम्स के अनुसार, भूकंप का केंद्र ह्युगानाडा सागर में 30 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के तुरंत बाद, एजेंसी ने मियाजाकी और कोची प्रान्तों के तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की। उसने बताया है कि समुद्र में एक मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। आस-पास के लोगों से तट से दूर रहने और ऊंचे स्थानों पर जाने का आग्रह किया गया है।

चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि बीजिंग समय के अनुसार सोमवार रात 8.58 बजे शिजांग स्वायत्त क्षेत्र के शिगाजे में डिंगरी काउंटी में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया।

चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार, भूकंप का केंद्र 28.45 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 87.52 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था।

सीईएनसी द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया।

पिछले सप्ताह 7 जनवरी को तिब्बत क्षेत्र में डिंगरी काउंटी में आए 6.8 तीव्रता के भूकंप के पीड़ितों की याद में सोमवार को एक स्मारक सेवा भी आयोजित की गई। सुबह 9.30 बजे, चामको टाउनशिप में सायरन गूंजने लगे, जहां यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। टाउनशिप स्क्वायर में एक विशाल बोर्ड लगा था, जिस पर सफेद मंदारिन और तिब्बती अक्षरों में डिंगरी भूकंप में मारे गए लोगों के लिए "गहरा शोक" लिखा हुआ था।

सरकारी अधिकारियों, बचावकर्मियों और स्थानीय निवासियों सहित सैकड़ों लोगों ने अपनी टोपियां उतारीं और मृतकों की याद में तीन मिनट तक मौन खड़े रहे।

पुनर्वास स्थलों पर, कुछ प्रीफैब घरों में पारंपरिक तिब्बती मक्खन के दीये टिमटिमा रहे थे, जो अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए शोक मनाने का एक तरीका है।

तिब्बत में आए इस भूकंप में 126 लोगों की जान चली गई। सोमवार को भूकंप के बाद सातवां दिन था, जो मृतकों के लिए बौद्ध अनुष्ठानों का सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है।

ईरान और यूरोप के तीन प्रमुख देशों के बीच परमाणु वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमति : वरिष्ठ राजनयिक

तेहरान। ईरान के एक वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि ईरान और तीन यूरोपीय शक्तियां फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी प्रतिबंधों को हटाने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं।

ईरान के उप विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह घोषणा की। जिनेवा में ईरान, तीन देशों और यूरोपीय संघ के बीच वार्ता का एक नया दौर शुरू हुआ।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वार्ता में कई मुद्दों को शामिल किए जाने की उम्मीद है, जिसमें देश एक-दूसरे से कैसे संबंधित हैं, साथ ही क्षेत्र और दुनिया की समस्याओं पर भी चर्चा होगी।

गरीबाबादी ने कहा कि वार्ता "गंभीर, स्पष्ट और रचनात्मक" थी, उन्होंने कहा कि इसमें प्रतिबंधों को हटाने और समझौते के लिए आवश्यक परमाणु मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

उन्होंने कहा, "सभी लोग प्रतिबंधों को हटाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत फिर से शुरू करने की आवश्यकता पर सहमत हुए। समझौते पर पहुंचने के लिए सभी पक्षों द्वारा एक अच्छा माहौल बनाने की आवश्यकता है।"

ईरान और यूरोपीय शक्तियों के वरिष्ठ राजनयिकों ने आखिरी बार नवंबर 2024 में जिनेवा में तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और अन्य विषयों पर चर्चा की थी।

गरीबाबादी ने कहा कि वे खुली वार्ता थी और देशों के बीच, क्षेत्र में और दुनिया भर में हाल की घटनाओं, विशेष रूप से परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों को हटाने पर केंद्रित थीं।

ईरान ने जुलाई 2015 में विश्व शक्तियों के साथ एक परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत प्रतिबंधों में ढील के बदले में अपने परमाणु कार्य को सीमित करने पर सहमति व्यक्त की गई थी। लेकिन अमेरिका ने मई 2018 में इस समझौते को छोड़ दिया और प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया,

जिससे तेहरान को अपनी प्रतिबद्धताओं को कम करना पड़ा।

2015 के समझौते को फिर से लागू करने के लिए वार्ता अप्रैल 2021 में वियना में शुरू हुई, लेकिन कई दौर की चचाओं के बावजूद इसमें बहुत कम प्रगति हुई है।

दिसंबर में जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस ने एक बयान जारी कर ईरान की संवर्द्धन क्षमता पर "अत्यधिक चिंता" व्यक्त की थी।

इसमें कहा गया, "हम ईरान से इन कदमों को वापस लेने और अपने परमाणु विस्तार को तुरंत रोकने का आग्रह करते हैं।"

यह बयान संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान 60 प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम को समृद्ध कर रहा है, जो हथियार बनाने के लिए आवश्यक 90 प्रतिशत के स्तर के करीब है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा